RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-357 | जयपुर, रविवार, 21 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराया

चेन्नई। भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने क्लीन स्वीप करते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अफगानिस्तान ने भारत को 219 रन का टारगेट दिया। जवाब में भारत ने 28.4 ओवर में एक विकेट खोकर 224 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

यशस्वी जायसवाल ने दूसरा वनडे शतक जमाते हुए नाबाद 110 रन बनाए। पारी में 14 चौके और 3 छक्के भी लगाए। रोहित शर्मा ने 79 रन की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जमाए।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद किया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। ईरान की जॉइंट मिलिट्री कमांड ने सरकारी टीवी पर ऐलान करते हुए कहा कि इसकी वजह लेबनान में हो रहे इजराइली हमले हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून की रात शांति समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें होर्मुज को खोलने और लेबनान में हमले बंद करने की शर्तें थीं। पीस डील पर साइन के बाद भी इजराइल ने लेबनान में हमले जारी रखे थे। इसके बाद ट्रम्प की पहल पर 19 जून की रात इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ था। हालांकि सीजफायर के ऐलान के 8 घंटे बाद ही इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष शुरू हो गया।

नीट री-एग्जाम आज, 22.79 लाख परीक्षार्थी होंगे शामिल

दिल्ली से सीधी मॉनिटरिंग, सीसीटीवी कैमरा लगाए, एआई से निगरानी

नई दिल्ली

नीट यूजी पुनर्परीक्षा आज आयोजित होगी। 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू होगी और शाम 5:15 बजे तक चलेगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचें और एडमिट कार्ड में दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें। NTA ने परीक्षा समय, एंट्री नियम और अन्य जरूरी निर्देश जारी किए हैं।

शनिवार को देश के 551 शहरों में बने एग्जाम सेंटर्स पर मॉक ड्रिल की गई। NTA ने दावा किया कि लीक रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

इसमें सभी सिस्टम जैमर, CCTV, तलाशी लेने वाले कर्मचारी और बायोमेट्रिक्स की जांच की गई। ग्राउंड पर 2 लाख से ज्यादा कर्मी और 6,669 सेंटरों पर ऑब्जर्वर मौजूद रहे।

एग्जाम से पहले सेंटर बदले, नागपुर के अभ्यर्थी को अबू धाबी मिला था

एग्जाम सेंटर के अलॉटमेंट में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। नागपुर के एक छात्र अब्दुल्लाह मोहम्मद तालिब ने अबू धाबी (UAE) स्थित एक भारतीय स्कूल में सेंटर मिलने की शिकायत की।

छात्र ने 19 जून को एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तब यह गड़बड़ी देखी। छात्र के पास पासपोर्ट नहीं है। ऐसे में उसका विदेश जाकर परीक्षा देना संभव नहीं था। एडमिट कार्ड का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने सफाई दी।

इस बार परीक्षा के दौरान सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। देशभर में करीब 95 हजार परीक्षा कक्षों में कुल 1.38 लाख से अधिक CCTV कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की निगरानी राष्ट्रीय, राज्य और मंत्रालय स्तर पर की जाएगी।

इसके अलावा, पहली बार बड़े पैमाने पर एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है, जो लाइव वीडियो फीड का विश्लेषण कर संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान कर सकेगी।

नकल रोकने के लिए 51 हजार से ज्यादा जैमर

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए धोखाधड़ी रोकने के लिए NTA ने 51,311 सिग्नल जैमर लगाए हैं। इनमें ECIL और BEL द्वारा उपलब्ध कराए गए जैमर शामिल हैं, जो मोबाइल और अन्य संचार संकेतों को बाधित करेंगे।

परीक्षा केंद्रों पर भारी स्टाफ तैनात

परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

38,795	तलाशी कर्मचारी
48,448	बायोमेट्रिक सत्यापन कर्मचारी
6,700	ऑब्जर्वर
100 से अधिक	वर्चुअल ऑब्जर्वर
प्रत्येक केंद्र पर	सेंटर सिस्टम ऑफिसर और अतिरिक्त स्टाफ
हर परीक्षा कक्ष में	दो इनविजिलेटर

बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

परीक्षा केंद्रों के भीतर और बाहर सुरक्षा के लिए राज्य पुलिस, पैरामिलिट्री बल और अन्य एजेंसियां तैनात रहेंगी। औसतन प्रत्येक केंद्र पर 40 से 50 सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, परीक्षा सामग्री को लगभग 1,500 बैंक शाखाओं में सुरक्षित रखा गया है, जबकि OMR शीट्स की निगरानी डाक विभाग के 700 कलेक्शन सेंटरों के माध्यम से की जाएगी।

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी, 7 की मौत

शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

परभणी

महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े।

हादसे का सीसीटवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया।

शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई।

जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए।

कृषि मंत्री ने पकड़ी नकली पोटाश फैक्ट्री

नमक के अपशिष्ट से बन रहा था पोटाश

जयपुर

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को जयपुर के वीकेआई में संचालित फर्टिलाइजर व कृषि उत्पाद इकाइयों पर औचक निरीक्षण कर नकली व अवैध कृषि उत्पादों के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया। जांच के दौरान तीन स्थानों पर बिना अनुमति बायो स्टिमुलेंट, बायो फर्टिलाइजर व नकली पोटाश के निर्माण और भंडारण के मामले सामने आए।

निरीक्षण के दौरान सबसे चौंकाने वाला मामला नंदी

फर्टिलाइजर्स की इकाई में सामने आया, जहां नमक के अपशिष्ट से म्यूरेट ऑफ पोटाश तैयार किए जाने का खुलासा हुआ। कृषि मंत्री ने इसे किसानों के साथ बड़ा धोखा बताते हुए कहा कि किसानों से छल-कपट किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि विभाग की टीम ने मालिक की अनुपस्थिति में नंदी फर्टिलाइजर्स की इकाई को सील कर दिया था। कृषि मंत्री ने मौके पर पहुंचकर इकाई को खुलवाया और निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया कि वहां नमक के अपशिष्ट से म्यूरेट ऑफ पोटाश तैयार किया जा रहा था, जिसे किसानों को बेचने की तैयारी थी। मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

किरोड़ी लाल ने बताया कि रोड नंबर-7 स्थित समृद्धि सर्विसेज नामक सी एंड एफ गोदाम पर छापेमारी के दौरान बिना अनुमति बायो स्टिमुलेंट की सप्लाई किए जाने का मामला सामने आया। जबकि राजस्थान में बायो स्टिमुलेंट की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। इसके अलावा चित्तारी एग्री केयर नामक कंपनी में भी बिना अनुमति बायो स्टिमुलेंट और अन्य कृषि उत्पाद पाए गए।

सरकार ने 16 दवा कॉम्बिनेशन पर रोक लगाई

स्किन और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट भी शामिल, कहा- इनसे इलाज में फायदे से ज्यादा जोखिम

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश (FDC) दवाएं बनाने, वितरण, बिक्री और सप्लाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इन दवाओं से फायदे की अपेक्षा जोखिम ज्यादा हैं। इन दवाओं में इलाज के लिहाज से कुछ नहीं मिला।

मंत्रालय ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने और दवाओं के सही इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि केवल वैज्ञानिक रूप से सही और असरदार दवाएं ही बाजार में उपलब्ध रहें।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और FDC दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया। इसके लिए ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (DTAB) ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। समिति ने कई दवा कॉम्बिनेशन

की जांच की और कुछ को अवैज्ञानिक, इलाज के लिहाज से गैर-जरूरी और मरीजों के लिए संभावित रूप से नुकसानदायक पाया। FDC यानी ऐसी दवाएं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फॉर्माम्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (API) तय अनुपात में मिलाए जाते हैं।

मंत्रालय ने यह प्रतिबंध ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26 के तहत जारी अधिसूचनाओं के जरिए लगाया है।

राज्यों को सख्त निर्देश

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई गैर-तर्कसंगत FDC दवाओं पर रोक लगाई जा चुकी है।

सभी राज्यों के ड्रग कंट्रोलर, नियामक संस्थाओं और प्रवर्तन एजेंसियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दवा निर्माता, आयातक, वितरक और अन्य संबंधित पक्षों को कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है।

फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (FDC) ऐसी दवाएं होती हैं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट तय अनुपात में एक ही टैबलेट, कैप्सूल या सिरप में मिलाए जाते हैं। कई बीमारियों में ऐसे कॉम्बिनेशन मरीज के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि इससे दवाओं की संख्या कम होती है और इलाज आसान बनता है।

थाने पर हमले के आरोप में टीएमसी नेता जहांगीर की पत्नी गिरफ्तार

कोलका

पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता

जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कई बार फालता में उसकी परेड कराई। इस दौरान जहांगीर कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगता दिखा।

राजस्थान में पहली बार इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत

प्रदेश में स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम सार्वजनिक परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को प्रधानमंत्री ई बस सेवा के तहत अमर जवान ज्योति से जेसीटीएसएल की 29 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भीलवाड़ा में भी 18 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन बसों के संचालन से स्वच्छ,

सुरक्षित एवं सुगम सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2023 में पीएम ई-बस सेवा योजना प्रारम्भ की। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के डिपो निर्माण, इलेक्ट्रिक वर्क और संचालन में राज्य सरकार को सहायता दी जा रही है। इसके तहत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहरों में प्रदूषण को कम करने का काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति पर इलेक्ट्रिक बस का विधिवत पूजन कर अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बस में पैनिक बटन, एसी और सीसीटीवी कैमरे जैसी आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही, चालक और परिचालक से बातचीत की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने टिकट लेकर अमर जवान ज्योति से स्टेट हेंगर तक इलेक्ट्रिक बस में सफर किया।

उन्होंने कहा कि इस योजना में राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर तथा अजमेर का चयन हुआ है।

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता में बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका : सीईसी

जयपुर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए 700 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और सुपरवाइजर्स से संवाद किया। उन्होंने कहा सभी बीएलओ उनके परिवार का हिस्सा हैं और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीईसी ने अपने संबोधन की शुरुआत राजस्थानी परंपरा के अनुरूप 'खम्मा घणी' कहकर की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बीएलओ ने एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करते हुए 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच राजस्थान को प्रथम स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा भारत में सभी चुनाव संविधान और कानून के अनुरूप स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए जाते हैं। निर्वाचन आयोग की सफलता का सबसे मजबूत आधार जमीनी स्तर पर कार्यरत बीएलओ हैं, जो आयोग व मतदाताओं के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

मोदी बोले- पश्चिम बंगाल को पाक का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई, मजहबी एजेंडा चलाया गया

अब कानून का राज, बंगाल की हवा में नई ताजगी

बंगाल की हवा में नई ताजगी, विश्वास लौटा

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हुगली में में पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई तो कांग्रेस उन षडयंत्रकारियों के सामने घुटने टेके पड़ी थी। बंगाल की आवाज को मजहबी एजेंडों से दबाया जा रहा था तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने प्रस्ताव पास कराया और घोषणा की कि पूरा बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा।

रविवार को ही पीएम मोदी कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी

पोर्ट पर देश में ही डिजाइन और तैयार किए गए नौसेना के तीन जहाजों को सेवा में शामिल करेंगे। इनमें एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट INS दूनागिरी, सर्वे वैसल INS संशोधक और एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट INS अग्रय की कमीशनिंग की जाएगी।

PMO ने कहा कि ये जहाज भारतीय उद्योगों की बड़ी भागीदारी से बनाए गए हैं, जिनमें 200 से ज्यादा MSME शामिल हैं। यह घरेलू जहाज निर्माण और रक्षा उत्पादन के बढ़ते इकोसिस्टम को दिखाता है।

प्रधानमंत्री बंगाल में भाजपा की जीत के 47 दिन बाद बंगाल पहुंचे थे। इस दौरान मोदी ने कहा- जो बंगाल भारत के विकास का नेतृत्व कर सकता तो वो बंगाल पिछड़ता चला गया। बंगाल की धरती पर विदेशी विचारधारा सौंपी गई। पहले कांग्रेस, लेफ्ट और फिर टीएमसी ने बंगाल को अवैध घुसपैठियों का अड्डा बनने दिया।

पीएम ने कहा कि अब राज्य में कानून का राज स्थापित करने और विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। पश्चिम बंगाल के हुगली में पीएम नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद यह उनका पहला दौरा है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) की 23वीं किस्त जारी की और राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की।

बंगाल बंधनों से मुक्त हुआ, गौरव की वापसी शुरू: चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में नया माहौल बना है और राज्य विकास की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। बंगाल में लोगों के चेहरों पर खुशी और भरोसा दिख रहा है, जो लोकतंत्र और वोट की ताकत का प्रमाण है।

चुनावी गारंटी पूरी, बंगाल के गरीबों को आयुष्मान भारत का लाभ: चुनाव के दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लागू करने की गारंटी दी थी। अब यह सुनिश्चित किया गया है कि पश्चिम बंगाल के हर गरीब को योजना का लाभ मिले। महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना के तहत भी सीधे लाभ मिलना शुरू हो गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन रात को भी जारी

फाउंडर दीपके बोले- शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे तक नहीं हटेंगे

नई दिल्ली

नीट पेपर लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) प्रदर्शन कर रही है। CJP को शाम 5 बजे तक ही प्रदर्शन की अनुमति थी लेकिन फाउंडर अभिजीत दीपके समेत प्रदर्शनकारी अभी भी वहां मौजूद हैं।

प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में गो-प्रधान-गो के नारे लगाए। समय पूरा होने के बाद पहुंची दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा और उनसे थाली लेने की कोशिश की।

पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन का समय बढ़ाने की परमिशन नहीं दी गई है। CJP ने स्टेज पर NEET पेपर लीक के बाद सुसाइड करने वाले स्टूडेंट्स के पोस्टर भी लगाए हैं। यह दिल्ली के जंतर-मंतर पर दूसरी बार प्रदर्शन है।

दीपके ने कहा- अगर थाली पीटने से कोरोना खत्म हो सकता है, तो शिक्षा मंत्री को हटाने के लिए भी थाली पीटनी चाहिए। उन्होंने कहा- लाठीचार्ज या गिरफ्तारी हो, वे प्रधान के इस्तीफे तक यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने जेल भरने की अपील की।

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुडसू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस निर्मम हत्या पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार

कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावर हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया है कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

-जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

-महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी

गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

-मायावती ने दिया- 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए

प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

-शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

-कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त

सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

भीलवाड़ा में ई-बस सेवा का भव्य आगाज: आधुनिक परिवहन और पर्यावरण संरक्षण को मिली नई गति

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

आधुनिक परिवहन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, भीलवाड़ा शहर को प्रधानमंत्री ई-बस सेवा की सौगात मिली है। शनिवार को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर से वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर इस सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से प्रदूषण में आएगी कमी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री ई-बस सेवा' योजना शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से सुसज्जित ये बसें महिलाओं, दिव्यांगजनों, विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेंगी।

50 बसें और 65 गांवों तक पहुंच

योजना के तहत भीलवाड़ा को कुल 50 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की गई हैं। इन बसों का संचालन शहर के साथ-साथ आसपास के लगभग 35 किलोमीटर के दायरे में किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के करीब 65 गांवों के नागरिक लाभान्वित होंगे। परियोजना के सुचारू संचालन के लिए मोहनलाल सुखाड़िया नगर में लगभग 9.5 करोड़ रुपये की लागत से 16,742.56 वर्गमीटर भूमि पर एक अत्याधुनिक बस डिपो का निर्माण किया गया है।

सुरक्षा और अत्याधुनिक सुविधाओं का संगम

नई ई-बसों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। बसों में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं: एयर कंडीशनिंग और दिव्यांगजनों के लिए विशेष लिफ्ट की सुविधा। पब्लिक सेफ्टी सेंसर गेट और ऑटोमेटिक पैसेंजर काउंटिंग सिस्टम। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक बस में 8 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी रिकॉर्डिंग एक माह तक सुरक्षित रखी जा सकेगी।

विकास की नई इबारत

जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में शहर विधायक श्री अशोक कोठारी, मांडल विधायक श्री उदयलाल भड़ाना, जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने इसे भीलवाड़ा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। सांसद श्री दामोदर अग्रवाल ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि यह योजना न केवल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नया आयाम देगी, बल्कि हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा देगी। यह ई-बस सेवा भीलवाड़ा को स्वच्छ, आधुनिक और प्रदूषण मुक्त शहर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

खेत में पेड़ से बंधा मिला युवक का शव

शव के पास मिले खाने के पत्तल-दोने, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

स्मार्ट हलचल | बीगोद

थाना क्षेत्र के चमना बा की झोपड़ियां गांव में गुरुवार को एक खेत पर युवक का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव को एक पेड़ के तने से रस्सी के सहारे बांध रखा था, जिससे मामला प्रथम दृष्टया पूरी तरह संदिग्ध नजर आ रहा है। वारदात की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर बीगोद थाना पुलिस जाप्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान सांवरमल गुर्जर के रूप में की गई है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे घटनास्थल पर मृतक के नजदीक ही भोजन किए हुए पत्तल और दोने बिखरे हुए मिले। इससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि घटना से ठीक पहले वहां कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने या तो मृतक के साथ भोजन किया या उसे जबरन कुछ खिलाया। युवक को रस्सी से पेड़ पर बांधे जाने और पास में ही पत्तल-दोने मिलने के कारण ग्रामीण इसे सोची-समझी साजिश के तहत की गई बेरहमी से हत्या मान रहे हैं।

थानाधिकारी ने बताया कि मामला हत्या और आत्महत्या के बीच उलझा हुआ है। पुलिस हर एक संभावित कोण (एंगल) को ध्यान में रखकर गहनता से मामले की तकनीकी व वैज्ञानिक जांच कर रही है। पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों और समय का पूरी तरह खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ शुरू कर दी है, साथ ही सांवरमल के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है ताकि घटना की रात की लोकेशन और आखिरी बार हुई बातचीत का सुराग लगाया जा सके।

लाडपुरा चारागाह भूमि पर दोहरा संकट: एक तरफ 30 फीट गहरा अवैध खनन, दूसरी तरफ बाड़े बनाकर अवैध अतिक्रमण

आस्था के केंद्रों व गौशाला के रास्ते पर मूक पशुओं के हक पर डाका; रात के अंधेरे में जेसीबी से खोदी जा रही माटी, तो दूसरी ओर कई लोगों ने कच्ची दीवारें खड़ी कर घेरी सरकारी जमीन, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। ग्राम पंचायत लाडपुरा में सार्वजनिक व पूजनीय चारागाह भूमि इस समय दोहरी मार झेल रही है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और पशुपालकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित श्री बाण्यांबाव देव नारायण मंदिर, सावरियाँ गौशाला तथा सांबलिया महादेव मंदिर के मुख्य रास्तों पर स्थित इस बेशकीमती चारागाह भूमि पर जहां एक ओर खनन माफियाओं द्वारा अवैध रूप से माटी का सीना छलनी किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर लंबे समय से अन्य लोगों द्वारा कच्ची दीवारों और पत्थरों के बड़े-बड़े बाड़े (अतिक्रमण) बनाकर इस सांझी संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने का खेल भी धड़ल्ले से चल रहा है। इन दोनों अलग-अलग समस्याओं के कारण अब बेजुबान मवेशियों के सामने चारे और चरने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

शुक्रवार रात जेसीबी से किया 30 फीट गहरा अवैध खनन:

मामले के अनुसार, पहला बड़ा झटका शुक्रवार की रात को लगा जब अज्ञात खननकर्ताओं ने तिदुंणीया भैरुनाथ के पास पहाड़ी क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर रातभर जेसीबी मशीनें चलाईं। माफियाओं ने रात के अंधेरे में 2 बीघा से अधिक चारागाह भूमि को 20 से 30 फीट गहराई तक खोद डाला। इस अंधाधुंध अवैध खनन के कारण वहाँ लगे दर्जनों हरे-भरे पेड़-पौधे नष्ट हो गए और ज़मीन गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई, जिससे मिट्टी का भारी कटाव शुरू हो गया है।

खनन से अलग, जमीन पर कई लोगों का अवैध अतिक्रमण भी बड़ी समस्या:

इस अवैध खनन से इतर, चारागाह भूमि पर अतिक्रमण की एक और समानांतर समस्या पैर पसारे हुए है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ही कुछ अन्य लोगों ने इस सरकारी बिलानाम और चारागाह भूमि पर अवैध रूप से कब्ज़े कर रखे हैं। इन लोगों ने अपने निजी हितों के लिए जगह-जगह पत्थरों को जमाकर कच्ची दीवारें खड़ी कर दी हैं और बड़े-बड़े बाड़े बना लिए हैं। इस अवैध अतिक्रमण के कारण चारागाह का मूल स्वरूप सिकुड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि अवैध खनन करने वाले और अतिक्रमण करने वाले अलग-अलग तत्व हो सकते हैं, लेकिन दोनों ही कृत्यों से नुकसान पूरे गांव की साझी विरासत और गौशाला के गोवंश को हो रहा है।

विकास अधिकारी को सौंपी रिपोर्ट, दोनों मामलों में कार्रवाई की मांग:

इन दोनों गंभीर मुद्दों को लेकर समस्त ग्रामवासियों ने एकजुट होकर विकास अधिकारी को थीपुर में एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोहरी कार्रवाई की मांग की है: पहली– तिदुंणीया भैरुनाथ पहाड़ी क्षेत्र में रात में अवैध खनन करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी मुकदमा दर्ज किया जाए। दूसरी– सांबलिया महादेव मंदिर रास्ते और बिलानाम भूमि पर जिन भी लोगों ने कच्ची दीवारें व बाड़े बनाकर अवैध अतिक्रमण कर रखा है, उन्हें तुरंत ध्वस्त कर भूमि को पूरी तरह मुक्त कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो ग्रामवासी देवस्थानों व गौशाला की रक्षा के लिए उग्र आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

थाना गंगापुर में हुई नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश

रात्रि के समय में बंद घरो में घुस कर नकबजनी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन शातिर आरोपी गिरफतार

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। सागर राणा जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाडा के निर्देशन में बुद्धराज अति. पुलिस अधीक्षक सहाडा व सुदर्शन पालीवाल वृताधिकारी गंगापुर के सुपरविजन में थाना क्षेत्र व आस-पास के क्षेत्रो से रात्रि के समय सुनसान मकानो में लगातार हो रही नकबजनी की वारदतो की रोकथाम व खुलासे हेतु लीलाधर थानाधिकारी गंगापुर के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा कार्यवाही कर सुने व मकानो में नकबजनी की वारदात को कारित करने वाले 3 शातिर अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया।

दिनांक 27.मई.2026 को प्रार्थी राकेश पिता श्यामसुन्दर व्यास निवासी श्यामनगर कृषि मंडी रोड गंगापुर ने एक रिपोर्ट पेश की कि मै प्रार्थी 24. मई.2026 को शाम को मकान के ताला लगाकर परिवार सहित मेरे सालाजी की मृत्यु हो जाने से उदयपुर चला गया था। दिनांक 27 मई को दिन में करीब 12 बजे हम लोग वापस अपने मकान पर आये तो देखा कि

मेरे मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टुटा हुआ था तथा मेरे कमरे के अन्दर रखी अलमारी में रखे जेवरात व नगदी चोरी हो रखी थी तथा मकान के पोर्च में रखी हुई स्कुटी रजि नं आरजे 06 बीएल 9923 को भी कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गये है। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

घटना की गम्भीरता देखते हुए इस घटना का खुलासा करने के लिए लीलाधर मालवीय थानाधिकारी गंगापुर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास से मिले सुराग तथा तकनीकी तथा परम्परागत तरीके से आसुचना सकंलन कर अपराधियो के बारे में जानकारी की एकत्रित की गयी तथा सम्पुर्ण तथ्यो का रूट मैप तैयार किया गया। दौराने तलाश पुर्व में चालानशुदा व अन्य संदिग्धों से पुछताछ की गयी। सदिग्धों पर निरंतर निगरानी रखी गयी। इसी दौरान दिनांक 19 जून को कस्बा गंगापुर के आसपास पुन वारदात को अजाम देने की फिराक में स्वीफट कार लेकर घुम रहे तीन संदिग्धो बलराम उर्फ भालाराम पिता धर्माराम नायक जाति नायक उम्र 33 साल निवासी चाडवास थाना छापर जिला चुरू, राजु रेगर पिता त्रिलोक रेगर जाति रेगर उम्र 32 साल निवासी नमक मजदुर कॉलोनी, थाने के पास, नावा सिटी थाना नांवा जिला कुचामन-डीडवाना व अशोक कीर पिता छोटूलाल कीर जाति कीर उम्र 31 साल निवासी कीरों का मोहल्ला, बिगोद थाना बिगोद जिला भीलवाडा को डिटेन कर मनोवैधानिक तरीके से पुछताछ कर घटना करना स्वीकारने पर गिरफ्तार किया जाकर घटना में प्रयुक्त वाहन स्वीफट कार व प्रयुक्त औजार सरिया, टामी, पेचकस इत्यादि बरामद किये गये। तथा आरोपीयो की कार से अन्य जगह की वारदात के माल को जप्त किया गया। बाद पुछताछ न्यायालय में पेश कर सात दिवस पीसी रिमांड प्राप्त किया गया।

डीएमएफटी योजना की सड़क अधूरी, बारिश में हादसों का बढ़ा खतरा

स्मार्ट हलचल | मोड़ का निंबाहेड़ा

डीएमएफटी योजना के अंतर्गत गांगलास से रूपाहेली खुर्द तक 2.275 किलोमीटर संपर्क सड़क निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य में ढिलाई के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है तथा राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर कई वाहन वह अंटाली से भीलवाड़ा जाने वाली बसे निकलती है ,बारिस होने के कारण सड़क बड़ा गड्ढा हो गया है, ठेकेदार द्वारा मिट्टी डालने से रास्ता ओर फिसलन भरा हो गया है।

जानकारी के अनुसार उक्त सड़क का निर्माण कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) आसींद द्वारा कराया जा रहा है।

निर्माण कार्य का ठेका बाड़ी माता बिल्डर एंड कंस्ट्रक्शन, कालियास को दिया गया है। कार्य प्रारंभ करने की तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई थी, लेकिन अब तक सड़क निर्माण पूर्ण नहीं हो पाया है। कार्य पूर्ण करने की वास्तविक स्थिति भी निर्माण स्थल पर अंकित नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण विभाग की लापरवाही एवं ठेकेदार की उदासीनता के कारण निर्माण कार्य से अधूरा पड़ा हुआ है। रूपाहेली से गांगलास तक के मार्ग पर जगह-जगह अधूरा निर्माण होने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार भी हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार स्थानीय ठेकेदार एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। अब मानसून के आगमन के साथ ही सड़क की स्थिति और अधिक खराब होने तथा बड़े हादसों की आशंका बढ़ गई है।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से शीघ्र सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करवाने तथा जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

वही आसींद के अधिशासी अभियंता नंदलाल मीणा का कहना है कि मैने ठेकेदार को सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कह दिया है।

घर में घुसकर 7 माह के मासूम का अपहरण करने का प्रयास, परिजनों के जागने पर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

स्मार्ट हलचल | मोड़ का निंबाहेड़ा

शम्भूगढ़ थाना क्षेत्र के कालियास गांव में बुधवार-गुरुवार मध्यरात्रि एक सनसनीखेज घटना सामने आई। अज्ञात बदमाश ने घर की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश किया और सो रहे 7 माह के मासूम बच्चे को उठाकर ले जाने का प्रयास किया। परिजनों के जाग जाने और शोर मचाने पर आरोपी बच्चे को घर के आंगन में फेंककर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालियास निवासी जवाहर लाल पुत्र हजारी लाल तेली ने शम्भूगढ़ थाने में शिकायत देकर बताया कि घटना के समय वह अपनी पत्नी और 7 माह के पुत्र पियूष के साथ कमरे में सो रहे थे। मकान का मुख्य गेट बंद था, जबकि कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति दीवार कूदकर घर में घुस आया और मासूम पियूष को उठाकर

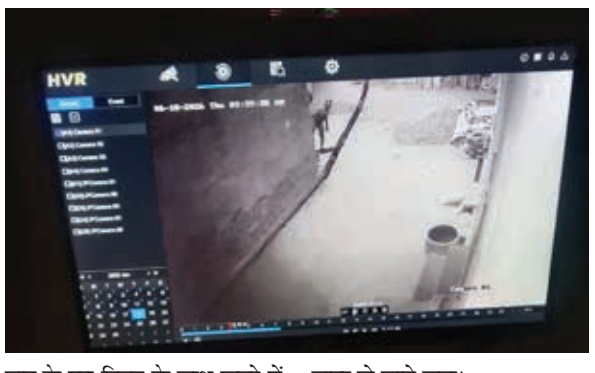

बाहर ले जाने लगा।

बच्चे को उठाते देख मां की नींद खुल गई और उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर जवाहर लाल भी जाग गए और आरोपी का पीछा किया। खुद को घिरता देख बदमाश बच्चे को घर के आंगन में छोड़कर भाग निकला। अंधेरा अधिक होने के कारण आरोपी की पहचान नहीं हो सकी।

घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने पुलिस से अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त सजा दिलाने की मांग की है। घर में घुसकर मासूम को उठाने की इस घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई लेकिन अंधेरा अधिक होने से युवक की पहचान नहीं हो पाई। अज्ञात युवक की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वही ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो गया।

जयपुर को मिली ई-बसों की सौगात, मुख्यमंत्री ने 29 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

महिलाओं, दिव्यांगों और यात्रियों को बेहतर सुविधा, जयपुर-भीलवाड़ा में शुरू हुई प्रधानमंत्री ई-बस सेवा

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के नागरिकों के लिए शनिवार का दिन सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लेकर आया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत अमर जवान ज्योति से 29 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भीलवाड़ा में 18 इलेक्ट्रिक बसों का भी शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में प्रदेश को 675 और दूसरे चरण में 475 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। कुल 1150 बसें राजस्थान के विभिन्न शहरों में संचालित होंगी

तथा आने वाले समय में इनकी संख्या 2000 से अधिक करने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहरों में प्रदूषण कम होगा, यातायात व्यवस्था मजबूत होगी और आमजन को सुरक्षित, आरामदायक एवं किफायती यात्रा सुविधा मिलेगी। इन बसों में महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है, जिससे सभी वर्गों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक परिवहन का लाभ प्राप्त करे। उन्होंने विश्वास जताया कि ई-बस सेवा से लोगों को निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त इलेक्ट्रिक बस का निरीक्षण किया तथा अमर जवान ज्योति से स्टेट हैंगर तक बस में यात्रा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है और प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगामी मानसून को देखते हुए प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य की भी जानकारी दी तथा आमजन से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से किए गए संकल्पों को पूरा करने के साथ-साथ उससे अधिक कार्य करने का प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, शासन सचिव रवि जैन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। वहीं भीलवाड़ा में विधायक उदयलाल भड़ाना और अशोक कोठारी सहित स्थानीय नागरिक कार्यक्रम से जुड़े।

सरदारपुरा गांव की मुख्य सड़क कीचड़ से लबालब, ग्रामीण परेशान

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा शहर में फुलिया कलां उपखंड क्षेत्र के सरदारपुरा गांव की मुख्य सड़क इन दिनों कीचड़ और जलभराव की समस्या से पूरी तरह प्रभावित है। सड़क पर फैले कीचड़ के कारण ग्रामीणों, विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों एवं प्रशासन को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। धरातल पर किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जमा कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने के खतरे में रहते

हैं, वहीं पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक विकट हो जाती है, जिससे गांव का मुख्य मार्ग परेशानी का कारण बन गया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जनसमस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। कई बार शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं होने से लोगों का प्रशासन पर भरोसा कमजोर पड़ रहा है।

करोड़ों का काम या गोपनीय परियोजना? पीपलूंद बाईपास निर्माण से 'पारदर्शिता गायब', बिना सूचना बोर्ड के चल रहा खेल

जनता के पैसों से बन रही सड़क की हकीकत छिपाने में जुटा ठेकेदार; ग्रामीणों ने उठाए सवाल— अगर सब कुछ नियमानुसार है, तो लागत और ठेकेदार का नाम सार्वजनिक करने में डर कैसा?

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। क्षेत्र के ग्राम पीपलूंद में निर्माणाधीन बाईपास सड़क परियोजना एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है। जहां एक ओर करोड़ों रुपए की लागत से बन रही इस सड़क का निर्माण कार्य तेज गति से चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पूरे निर्माण स्थल से पारदर्शिता पूरी तरह गायब है। नियमों को ताक पर रखकर ठेकेदार द्वारा पूरे प्रोजेक्ट क्षेत्र में कहीं भी 'परियोजना संबंधी सूचना बोर्ड' (डिस्प्ले बोर्ड) नहीं लगाया गया है। इससे स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और जनता अब खुलकर सवाल उठा रही है कि आखिर सार्वजनिक धन से बनने वाली सड़क की जानकारी आमजन से क्यों छिपाई जा रही है? क्या यह करोड़ों का काम है या कोई गोपनीय सैन्य परियोजना, जिसे जनता की नजरों से दूर रखा जा रहा है?

चारागाह से अवैध मिट्टी दोहन के बाद अब 'सूचना पट्ट' गायब होने से बढ़ा संदेहः

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि पीपलूंद बाईपास निर्माण की शुरुआत से ही गड़बड़ियों का खेल चल रहा है। पहले ठेकेदार पर 50 बीघा से अधिक चारागाह भूमि से बिना प्रशासनिक अनुमति के अवैध मिट्टी उत्खनन करने और हजारों पेड़ों को उजाड़ने के गंभीर आरोप लगे थे, जिसकी शिकायत उपखंड प्रशासन तक पहुंची थी। अब निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड का नामोनिशान नहीं होने से लोगों के मन में शंकाएं और गहरी हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य पूरी तरह से ईमानदारी और तय मानकों के अनुरूप हो रहा है, तो फिर बाईपास रोड की लागत, सामग्री की गुणवत्ता और कार्य अवधि को सार्वजनिक करने में आखिर ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों को क्या परेशानी है?

सड़क निर्माण में इन 8 कड़े नियमों का पालन है अनिवार्यः

सार्वजनिक निर्माण विभाग और विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी सरकारी सड़क परियोजना में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए निम्न नियमों का पालन करना कानूनी रूप से जरूरी हैः स्थायी सूचना बोर्डः निर्माण स्थल के प्रारंभ और अंत में स्पष्ट सूचना पट्ट लगाया जाए। लागत का ब्यौराः बाईपास रोड की कुल स्वीकृत लागत राशि बोर्ड पर सार्वजनिक हो। समय सीमा का उल्लेखः कार्य प्रारंभ होने और कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि अंकित हो।

प्रशासन के सामने खड़ा हुआ बड़ा सवालः

पीपलूंद बाईपास पर चल रहे इस काम में सुरक्षा मानकों और रात्रि संकेतकों का भी अभाव दिख रहा है, जिससे हादसों का अंदेशा बना रहता है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और उपखंड अधिकारी से मांग की है कि तत्काल निर्माण स्थल पर नियम विरूद्ध चल रहे कार्य को रुकवाकर सूचना बोर्ड लगवाया जाए, साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और नियमों के पालन की स्वतंत्र विंग से निष्पक्ष जांच कराई जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब राज्य सरकार स्वयं पारदर्शिता और जवाबदेही की बात करती है, तो फिर पीपलूंद में ठेकेदार को इतनी मनमानी करने की छूट किसने दे रखी है?

ठेकेदार की पहचानः कार्यदायी संस्था और संबंधित ठेकेदार/कंपनी का नाम प्रदर्शित हो। तकनीकी स्वीकृतिः संबंधित विभाग का नाम और तकनीकी स्वीकृति का विवरण दर्ज हो। निगरानी अधिकारीः गुणवत्ता नियंत्रण के लिए नियुक्त अधिकारियों के नाम व पद लिखे हों। सुरक्षा मानकः निर्माण क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग और रात्रि संकेतक लगाए जाएं। शिकायत निवारणः आमजन की शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने हेतु संपर्क नंबर और हेल्पलाइन अंकित हो।

खबर का असरः प्रशासन हरकत में आया, अंडरब्रिज से पानी निकासी शुरू

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़। हमीरगढ़-चित्तौड़गढ़ मुख्य मार्ग पर रेलवे अंडरब्रिज में जलभराव की समस्या प्रमुखता से सामने आने के बाद प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया। जानकारी के अनुसार हमीरगढ़ उपखंड प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे के सहायक मंडल अभियंता (एडीईएन) भीलवाड़ा से संपर्क किया। प्रशासन की पहल पर रेलवे विभाग द्वारा अंडरब्रिज से पानी की निकासी की व्यवस्था शुरू कर दी गई, जिससे मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु करने के प्रयास किए गए।

गौरतलब है कि अंडरब्रिज में पानी भर जाने से आमजन, औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों और आपातकालीन सेवाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई का स्वागत करते हुए मांग की है कि हर बारिश में उत्पन्न होने वाली इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी जल निकासी व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि भविष्य में लोगों को ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

महेश नवमी महोत्सवः कपल रिले दौड़ एवं धीमी गति बाइक प्रतियोगिता आयोजित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा।श्री नगर माहेश्वरी सभा के तत्वाधान मे महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत महेश स्पोर्टस एकेडमी में कपल रिले दौड़ एवं धीमी गति बाइक प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें युवाओं व दंपत्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी फिटनेस, आपसी समन्वय और अपने संतुलन और बाइक संचालन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। धीमी गति बाइक प्रतियोगिता प्रभारी दिनेश कुमार हेडा ने बताया की धीमी गति प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 27 तथा महिला वर्ग में 14 प्रतिभागियो ने भाग लिया। प्रतिभागियों को निर्धारित दूरी को सबसे धीमी गति से तय करना था, जबकि उनके पैर जमीन को नहीं छूने चाहिए थे। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने बेहतरीन संतुलन का परिचय दिया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कपल रिले दोड़ के प्रभारी अश्विन तोतला व कृष्ण गोपाल सोमानी ने बताया की कपल रिले दौड़ में 14 कपल ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने निर्धारित दूरी को रिले प्रारूप में पूरा किया। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की कपल रिले दौड़ प्रतियोगिता में प्रियंका चेचाणी-प्रतीक की जोड़ी प्रथम रही। अखिलेश-टोनिका झंवर द्वितीय तथा नितिन-अंशु माहेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही धीमी गति बाइक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में केशव पलोड प्रथम, पवन नुवाल द्वितीय तथा प्रियांश सोमानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में इशिता माहेश्वरी प्रथम, यशोदा मंडोवरा द्वितीय एवं प्रिया माहेश्वरी तृतीय स्थान पर रही।

किशनगढ़ में आधी रात सिरफिरे ने मचाया तांडव, कारों में लगाई आग

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर जिले के किशनगढ़ के रेलवे स्टेशन क्षेत्र स्थित विद्यासागर कॉलोनी में देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात युवक ने कॉलोनी में खड़ी दो कारों को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते दोनों वाहनों से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

घर के बाहर खड़ी थीं दोनों कारें

जानकारी के अनुसार, कॉलोनी में किराए पर रहने वाले संदीप कुमार की दो कारें घर के बाहर खड़ी थीं। देर रात एक युवक वहां पहुंचा और दोनों वाहनों को निशाना बनाते हुए उनमें आग लगा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दोनों कारें उसकी चपेट में आ गईं।

दमकल और पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आसपास के मकानों और अन्य वाहनों को नुकसान होने से बचा लिया गया।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

इस सनसनीखेज घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में एक संदिग्ध युवक वाहनों के पास पहुंचकर आग लगाता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

गांधीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटना के बाद कॉलोनी के लोगों में भारी नाराजगी है। स्थानीय निवासियों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि रिहायशी इलाके में इस तरह की घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर करजालिया में पौधारोपण एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ब्राह्मणों की सरेड़ी मंडल द्वारा शक्ति केन्द्र करजालिया में विभिन्न जनहित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक जब्बर सिंह सांखला के साथ कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा प्रबुद्धजन सम्मान एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा ब्राह्मणों की सरेड़ी मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मुंगड़, सरपंच प्रतिनिधि राजू गुर्जर, मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण शर्मा, पूर्व महामंत्री उगम लाल गुर्जर, शक्ति केन्द्र संयोजक मुकेश पाराशर, बूथ अध्यक्ष सांवर शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा तथा शभैरूलाल गुर्जर सहित कई भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों की चर्चा करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हुआ।

सात माह में ही जहाजपुर के पहले सहायक कलेक्टर का तबादला

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजस्थान सरकार ने राज्यभर में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 178 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। राजस्थान संयुक्त शासन सचिव डॉ. धीरज कुमार सिंह द्वारा जारी आदेशों में जहाजपुर के सहायक कलेक्टर दीपक सांखला का तबादला सहायक निदेशक, लोक सेवाएं, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, पाली के पद पर किया गया है।

गौरतलब है कि 20 नवंबर 2025 को दीपक सांखला ने जहाजपुर के पहले सहायक कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण

किया था। इससे पूर्व भी सहायक कलेक्टर की नियुक्ति की गई थी, लेकिन संबंधित अधिकारी ने पदभार ग्रहण नहीं किया था। ऐसे में सांखला जहाजपुर में नियमित रूप से कार्यभार संभालने वाले पहले सहायक कलेक्टर बने थे।

पदभार ग्रहण करने के करीब सात माह बाद ही उनका तबादला होने से क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हाल ही में जहाजपुर बार एसोसिएशन ने राजस्व मामलों में दिए गए कुछ निर्णयों को लेकर उनकी शिकायत जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू एवं विधायक गोपीचंद मीणा से की थी। इस मुद्दे को लेकर अधिवक्ताओं ने कई दिनों तक कार्य बहिष्कार भी किया था। ऐसे में उनके तबादले को इस घटनाक्रम से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

हालांकि सहायक कलेक्टर दीपक सांखला ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वे पिछले कुछ महीनों से स्वयं पाली स्थानांतरण के प्रयास में थे, क्योंकि उनका परिवार वहीं निवास करता है। उनके अनुसार पारिवारिक कारणों से पाली जाना उनकी प्राथमिकता थी।

उल्लेखनीय है कि जहाजपुर उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) और सहायक कलेक्टर के दो प्रशासनिक पद स्वीकृत हैं। पहली बार सहायक कलेक्टर पद पर नियमित रूप से अधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद अब उनके स्थानांतरण से यह पद पुनः रिक्त हो गया है। फिलहाल सरकार की ओर से उनके स्थान पर किसी अन्य अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है।

शांति समिति की बैठक, बनेड़ा थाने में आयोजित

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा

पुलिस थाना परिसर में शनिवार को सायं शांति समिति सदस्यों की बैठक आयोजित हुई । थाना प्रभारी राजुराम काला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी मोहर्रम के पर्व को लेकर के चर्चा की गई। साथ ही नया बस स्टैंड परिसर में बेतरतीब खड़े रहने वाले चोपहिया वाहनों के कारण होने वाली परेशानियों के बारे में बताया। साथ ही अन्नपूर्णा रसोई पर नशा प्रवृति के लोगों द्वारा आए दिन हंगामा करने की बात सदस्यों द्वारा बताई गई। जिस पर थाना प्रभारी काला आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया।

इस दौरान नियाज मोहम्मद सिलावट मुरारी जोशी गोवर्धन सिंह अनिल इमरान अंसारी सहित अन्य जने उपस्थित थे।

अशोक अग्रवाल बने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के संगठन मंत्री

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की प्रदेश कार्यकारिणी ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए बिजयनगर श्री अग्रसेन मंडल के सूचना मंत्री अशोक अग्रवाल को पूर्वी राजस्थान का संगठन मंत्री के पद पर नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, महामंत्री गोपाल गोयल एवं प्रदेश अध्यक्ष पूर्वी राजस्थान अशोक गर्ग की सहमति से की गई है। नवनियुक्त संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल बिजयनगर के श्री अग्रसेन मंडल में लंबे समय से सूचना मंत्री के रूप में सक्रिय हैं और समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं।

संगठन के पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि अशोक अग्रवाल के अनुभव और समर्पण से पूर्वी राजस्थान में अग्रवाल सम्मेलन की गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा सामाजिक एकता और विकास के कार्य और अधिक सशक्त होंगे।

क्षेत्र के अग्रवाल समाज में इस नियुक्ति को लेकर हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अशोक अग्रवाल को बधाई प्रेषित की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व स्वस्थ आयु के लिए योगाभ्यास का आयोजन

12वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजन

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

12वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के एक दिन पूर्व भाजपा जिला कार्यालय पर 20 जून शनिवार को योगाभ्यास का विशेष कार्यक्रम रखा गया इस वर्ष 2026 की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है योगाभ्यास भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व में प्रातः 7 से 8 बजे तक सामूहिक योग सत्र के रूप मेंआयोजन हुआ।

भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी में बताया कि योगाभ्यास का संचालन योग शिक्षिका अभीश्रुता सोलंकी ने किया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष

मेवाड़ा ने कहा कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी योग परंपरा को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य और वैलनेस अभियानों में शामिल हो चुका है इस अवसर पर करोड़ों लोग योगाभ्यास कर बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतुलित जीवन का संदेश देते हैं साल 2015 में पहली बार मनाए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने कुछ ही वर्षों में एक वैश्विक जन आंदोलन का रूप ले लिया है जो लोग लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है वर्ष 2026 में भी दुनिया भर के लोग योग के जरिए स्वस्थ जीवन का संदेश देंगे योग न केवल शरीर को फिट रखता है बल्कि मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन, आध्यात्मिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए जरूरी है उन्होंने इस अवसर पर जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से 21 जून रविवार को आयोजित होने वाले प्रशासनिक सरकारी योग दिवस कार्यक्रम में अपने-अपने क्षेत्र में पुरी सहभागिता निभाएं आज आयोजित योगाभ्यास में योगाभ्यास कार्यक्रम में1भीलवाड़ा नगर में निवासरत जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी ने अपनी सहभागिता निभाई।

गांगलास में चारभुजा-नाथ मंदिर महोत्सव शुरू, भागवत कथा का समापन, मेला प्रारंभ

विशाल रक्तदान शिविर में 101 युवाओं ने किया रक्तदान

स्मार्ट हलचल

रायला। क्षेत्र के गांगलास गांव स्थित श्री चारभुजा-नाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के सफल चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय मेला एवं कथा महोत्सव शनिवार को शुरू हो गया। इस अवसर पर सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत समापन हुआ तथा अरिहंत हॉस्पिटल के डाक्टर एवं स्टाफ गांगलास के युवाओं द्वारा

विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।आयोजकों ने बताया कि समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से 20 एवं 21 जून 2026 को आयोजित इस धार्मिक महोत्सव को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। महोत्सव की शुरुआत 14 जून से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के साथ हुई थी, जिसका शनिवार को समापन हुआ।भगवान चारभुजा नाथ मंदिर में विद्वान पंडितो द्वारा 11 जोड़ो से हवन यज्ञ कराया गया।।

कथा वाचक दिनेश कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि भागवत श्रवण से व्यक्ति का जीवन सफल एवं कल्याणकारी बनता है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया।शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गांगलास में विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर अरिहंत हॉस्पिटल की टीम द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें 100 नेत्र मरीजों की आंखों की जांच की गई, वह 15 से अधिक मरीजों के आंखों के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। सुबह से ही रक्तदान के लिए युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। शाम तक चले शिविर में 101 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

महोत्सव के तहत रविवार को भव्य शोभायात्रा, महाप्रसादी एवं मेले का आयोजन किया जाएगा। वहीं शाम को प्रसिद्ध भजन गायक राजू रावल एवं विनोद सिखवाल की भव्य भजन संध्या आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।कार्यक्रम में आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म एवं सेवा के इस महोत्सव को सफल बनाया।

ट्रक का टायर बदलते समय फटा, युवक लेखराज चौधरी की मौके पर मौत

स्मार्ट हलचल

जोबनेर/आसलपुर। शुक्रवार को आसलपुर सीमेंट फैक्ट्री के आगे स्थित चौधरी होटल के सामने एक दर्दनाक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक का टायर बदला जा रहा था। इसी दौरान अचानक टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया।

टायर फटने से पास में मौजूद लेखराज चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर जोबनेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

विकास में पिछड़ा चित्तौड़गढ़ जिला, फेक्ट्रीयों का करोड़ो का सीएसआर फिर भी विकास में फिसड्डी

जिला प्रशासन ध्यान दे तो चित्तौड़गढ़ विकास के मामले में फिसड्डी नही बल्कि अग्रणी जिला बन सकता है

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। जिले में औद्योगिक विस्तार और फैक्ट्रियों के भारी-भरकम टर्नओवर के बावजूद स्थानीय विकास की जमीनी हकीकत पर अब सवाल उठाने लगे है। चित्तौड़गढ़ की पहचान देश-दुनिया में सिर्फ शौर्य, त्याग और भक्ति की पावन धरा के रूप में ही नहीं, बल्कि राजस्थान के एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में भी है। सीमेंट उत्पादन से लेकर अन्य बड़े उद्योगों के मामले में यह जिला अग्रणी भूमिका निभाता है। नियम के मुताबिक, इन उद्योगों को अपने मुनाफे का एक निश्चित हिस्सा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत स्थानीय क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण सुधार पर खर्च करना होता है।

कागजों पर हर साल करोड़ों रुपये का सीएसआर फंड जारी भी होता है, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज भी चित्तौड़गढ़ का एक बड़ा हिस्सा बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। आखिर क्या वजह है कि फैक्ट्रियों के करोड़ों के बजट के बाद भी विकास के मामले में यह जिला फिसड्डी साबित हो रहा है?

बुनियादी सुविधाओं का अभाव और जन-समस्याएं

औद्योगिक क्षेत्र के आस-पास के गांवों और कस्बों पर नजर डालें, तो विकास के दावों की पोल खुल जाती है-

सीएसआर का बड़ा बजट, मगर धरातल पर कमी

बड़ी कंपनियों को अपने पिछले तीन वर्षों के शुद्ध लाभ का 2% सामाजिक विकास कार्यों में लगाना अनिवार्य होता है। चित्तौड़गढ़ जिले में स्थापित सीमेंट प्लांट जेके, वंडर, नुवोको, आदित्य, बिड़ला व जेके और अन्य खदानों, मार्बल व्यवसाय से हर साल करोड़ों रुपये का फंड जनरेट होता है। लेकिन इस भारी-भरकम राशि का एक बड़ा हिस्सा या तो प्रशासनिक फाइलों में अटका रहता है या जनप्रतिनिधियों ने बैंक बैलेंस बढ़ा रहा या फिर ऐसे कामों में लगा दिया जाता है जिनका आम जनता को सीधा लाभ नहीं मिल पाता।

सड़कों की बदहाली:

इन सीमेंट प्लांटों ओर मार्बल फेक्ट्रियो के भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण स्थानीय सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। आए दिन होने वाले हादसों से स्थानीय लोग सहमे रहते हैं, लेकिन सड़कों के सुदृढ़ीकरण पर सीएसआर फंड का सही इस्तेमाल नहीं दिख रहा।

स्वास्थ्य सेवाओं की कमी:

फेक्ट्रियो से निकलने वाले प्रदूषण (धूल और धुआं) के कारण स्थानीय आबादी में श्वास, फेफड़ों और त्वचा से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में समय समय पर जांच, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं या स्पेशलिस्ट डॉक्टरों वाले अस्पतालों का घोर अभाव है।

पेयजल का संकट:

कई औद्योगिक इकाइयों के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कई गांवों में आज भी शुद्ध पीने के पानी के लिए महिलाओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

प्रदूषण का दंश झेलती स्थानीय जनता

चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा और इसके आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीण फैक्ट्रियों के प्रदूषण की सबसे बड़ी मार झेल रहे हैं। खेतों पर सीमेंट की धूल जमने से फसलों की पैदावार प्रभावित हो रही है। नियमानुसार, सीएसआर फंड का एक बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण और सघन वृक्षारोपण पर खर्च होना चाहिए, लेकिन ग्रीन बेल्ट विकसित करने के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है।

कहां कमी रह जाती है? प्रशासनिक या राजनीतिक हस्तक्षेप

जवाबदेही और मॉनिटरिंग का अभाव:

जिला प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा कंपनियों के सीएसआर खर्च का कड़ाई से ऑडिट नहीं किया जाता। कंपनियां अक्सर अपनी मर्जी से प्रोजेक्ट चुनती हैं, जो जनता की वास्तविक जरूरतों से मेल नहीं खाते।

जनप्रतिनिधियों और जनता की आवाज की अनदेखी:

सीएसआर के तहत कौन से कार्य करवाए जाने हैं, इसमें स्थानीय ग्राम पंचायतों या प्रबुद्ध नागरिकों से राय मशविरा बहुत कम किया जाता है।

निष्कर्ष और समाधान

चित्तौड़गढ़ जिले को विकास की दौड़ में आगे ले जाने के लिए अब केवल कागजी दावों से काम नहीं चलेगा। यदि जिला प्रशासन सजगता दिखाए और निम्नलिखित कदम उठाए, तो तस्वीर बदल सकती है:

पारदर्शी जिला सीएसआर पोर्टल:

एक ऐसा डिजिटल सिस्टम हो जहां हर कंपनी के सीएसआर फंड और स्वीकृत कार्यों की लाइव ट्रैकिंग जनता के सामने हो।

वास्तविक आवश्यकता का आकलन

उद्योगों के आस-पास के 50 किलोमीटर के दायरे में शिक्षा, स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल की मैपिंग करवाकर प्राथमिकता तय की जाए।

प्रदूषण नियंत्रण पर सख्त रुख:

जो कंपनियां पर्यावरण मानकों का उल्लंघन कर रही हैं, उन पर भारी जुर्माना लगाने के साथ-साथ सीएसआर का पैसा सीधे प्रभावित गांवों के विकास में डायवर्जन किया जाए। चित्तौड़गढ़ की जनता विकास की हकदार है, क्योंकि वे उद्योगों की समृद्धि के बदले अपनी जमीन, पानी और स्वच्छ हवा का बलिदान दे रहे हैं। समय आ गया है कि करोड़ों के इस सीएसआर फंड का हिसाब धरातल पर दिखे, ताकि चित्तौड़गढ़ विकास के मामले में फिसड्डी नहीं, बल्कि अग्रणी जिला बन सके।

स्थानीय युवाओं को रोजगार से महरुम रखना

उद्योगों की स्थापना के समय यह भरोसा दिलाया जाता है कि स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि उच्च पदों और तकनीकी कार्यों में बाहरी लोगों को प्राथमिकता मिलती है, जबकि स्थानीय युवाओं को केवल कम वेतन वाले या संविदा/ ठेकाकर्मी आधारित मजदूरी के कामों तक सीमित कर दिया जाता है। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक संपन्नता की जगह असंतोष बढ़ रहा है।

गेंदलिया में श्री विष्णु महायज्ञ को लेकर भुमि पूजन कर ध्वज स्थापना की

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के गेंदलिया गांव में नृसिंहद्वारा में पांच दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्री अष्टलक्ष्मी अष्टसिद्धि नवनिधि प्रयोग को लेकर आज शनिवार को भूमि पूजन व ध्वज स्थापना की । गेंदलिया में नृसिंहद्वारा में 22 जून सोमवार से 26 जून शुक्रवार तक पांच दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन होगा । 20 जून शनिवार को दोपहर 12:15 बजे अभिजीत मुहूर्त में भूमि पूजन कर ध्वज की स्थापना की । पंडित प्रतीक पांण्डेय उज्जैन के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संत रामबालक दास त्यागी जी महाराज ने पूजा-अर्चना कर ध्वज की स्थापना की । 22 जून सोमवार को प्रातः 8:15 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, इसके साथ ही पांच दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ की शुरुआत होगी । वही महायज्ञ की पूर्णाहुति 26 जून शुक्रवार को दोपहर 12 बजे होगी, इस पूर्व शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से हरि बोल प्रभात फेरी का आयोजन भी होगा । कार्यक्रम में प्रतिदिन रात्रि में भजन कीर्तन का आयोजन होगा । देश की खुशहाली एवं अच्छी बारिश की कामना करते हुए ध्वज की स्थापना की । इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हार्टफुलनेस और श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति द्वारा कल मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

स्मार्ट हलचल | जयपुर

रविवार 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की सहभागिता में हार्टफुलनेस संस्था एवं श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति द्वारा जयपुर में श्री भवानी निकेतन कॉलेज ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है।

विद्याधर नगर, अम्बाबाड़ी झोटवाड़ा, मुरलीपुरा और पूरे जयपुर में इस आयोजन के लिए लोगों में बहुत उत्साह है। बहुत से अन्य प्रतिष्ठित संस्थान भी इस कार्यक्रम में सहभागी बन रहे है।

इस आयोजन में लगभग 2000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में प्राणायाम, योगासन, हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन एवं ध्यान और मुद्राएं जैसे विभिन्न योगिक अभ्यासों का अनुभव करवाया जाएगा।

इसके साथ ही बच्चों के मानसिक विकास क्षमता बढ़ाने के ब्राइटर माइंड्स तकनीक का परिचय करवाया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य योग को केवल एक शारीरिक व्यायाम के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र जीवन पद्धति के रूप में प्रस्तुत करना है - जहाँ शरीर, मन और आत्मा तीनों में संतुलन स्थापित हो सके।ये कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 7. 30 तक आयोजित किया जाएगा ।

कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित

प्रमोद चौधरी उर्फ पिंटू को बनाया सोशल मीडिया प्रभारी

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पारीक के निर्देशानुसार करौली जिला कांग्रेस कमेटी पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र चौधरी ने कार्यकारिणी घोषित की गई है। कार्यकारिणी में 5 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव, 15 सचिव, एक प्रवक्ता व एक सोशल मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्ति दी है। हिंडौन देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी ने बताया कि कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर अखिलेश मीना, सत्येन्द्र चौधरी (शानू), लवकुश मीना, लखन पौडवाल, सोनू शर्मा एवं महासचिव पद पर सौरभ चौधरी, दाऊद अली, डॉ भूरसिंह, अमृत मीना लांगरा, गौरव सिंह. विष्णु मुंडरी, सुनील मीना महस्वा, नाजरीन शाह को नियुक्ति दी है। इसी तरह सचिव पद पर दशरथ योगी, मोहित मीना, संजू योगी, जुबेर खान, विश्वेन्द्र डागुर, लोकेश फौजी, शुभसाधन मीना, सतीश कुमार मीना, विक्रम अटकोली, जगवेन्द्र जारेड़ा, अनन्तराम मीना, उमेश शर्मा, लवकेश मीना, वर्षा फ़ौजदार, नगीना बानो को नियुक्त किया है। कार्यकारिणी में भूपेंद्र लहकोडिया को प्रवक्ता एवं प्रमोद चौधरी उर्फ पिंटू को सोशल मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्ति दी। जिला अध्यक्ष नरेंद्र चौधरी ने कार्यकारिणी के नवनियुक्त सभी पदाधिकारीयों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर संगठन हित में कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मेघवाल समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में 250 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पिएगा वही दहाड़ेगा - निहालसिंह गोठवाल

स्मार्ट हलचल|बानसूर

कस्बे कें अंबेडकर भवन में शनिवार को राजस्थान मेघवाल समाज संस्था के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में शिक्षा, खेल एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 250 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष निहालसिंह गोठवाल नें कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संदेश था कि शिक्षा शेरनी का दूध है,जो इसे पिएगा

वही दहाड़ेगा। समाज के युवाओं को शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। प्रतिभाओं का सम्मान करने से उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है तथा समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर होता हैं। प्रदेश सचिव सुनील दत्त रांगेरा एवं ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रतनलाल सूठवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह का उद्देश्य समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर शिक्षा और सामाजिक जागरूकता कें प्रति नई प्रेरणा देना हैं। इस मौके पर देशराज वर्मा,गिरीश राठौड़,तारा पुतली,प्रोफेसर डॉ. राजेश आर्य, प्रोफेसर डॉ.बीआर शास्त्री, प्रोफेसर डॉ.महेश गोठवाल, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ.रामावतार अरुण, प्राचार्य योगेश नैनावत, प्राचार्य अशोक नैनावत, प्राचार्य लक्ष्मण नैनावत, आरएएस पंकज नैनावत, उद्योग प्रसार अधिकारी पवन मोरोड़िया,एटीओ अशोक आरोदिया, संस्था उपाध्यक्ष रामावतार, सचिव दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष हिम्मत कुमार, महासचिव राकेश जिंदल, दुलीचंद सोलंकी,अशोक रांगेरा, निर्मल सुरेला सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहें।

राजस्थान वाल्मीकि शिक्षक एवं शिक्षा वेलफेयर सोसाइटी गठित

चित्तौड़गढ़। समाज में शिक्षा, संगठन और सामाजिक उत्थान को नई दिशा देने के उद्देश्य से झालाना डूंगरी जयपुर में आयोजित राजस्थान वाल्मीकि शिक्षक स्नेह मिलन समारोह में प्रदेशभर से आए शिक्षकों ने सर्वसम्मति से राजस्थान वाल्मीकि शिक्षक एवं शिक्षा वेलफेयर सोसाइटी की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में निर्मल देसाई चित्तौड़गढ़ को सभाध्यक्ष, घनश्याम खींची जोधपुर को अध्यक्ष, राजेश बिवाल सीकर को कार्यकारी अध्यक्ष, सुरेश नकवाल को उपाध्यक्ष, सुरेशकुमार देशबन्धु को प्रदेश संयोजक, किशनलाल खरालिया को उपसभाध्यक्ष, राजेश पारोचिया टोंक को सचिव तथा विनोद चंदेलिया कुचामन डीडवाना को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही संरक्षक मंडल, विधि सलाहकार, संगठन मंत्री, सह संगठन मंत्री, सह कोषाध्यक्ष आदि पदों पर नियुक्तियां की गई। इसके साथ ही संगठन विस्तार के तहत अरविंद कुमार लोहरा बीकानेर संभाग, नरेंद्र कुमार लोट उदयपुर संभाग, रामकरण बारासा अजमेर संभाग, नीरज महाराजा कोटा संभाग एवं कानाराम कंडारे जोधपुर संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

राहुल गांधी ने कांग्रेस अल्पसंख्यक जिलाध्यक्षों से किया सीधा संवाद

चित्तौड़गढ़। इंदिरा गांधी एआईसीसी कार्यालय नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष संवाद कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देशभर के 9 राज्यों से पहुंचे अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद कर संगठन को मजबूत करने और अन्याय के खिलाफ संघर्ष को तेज करने का संदेश दिया।

इस दौरान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौपदार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं चित्तौड़गढ़ जिले से कांग्रेस अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रत्येक जिला अध्यक्ष से व्यक्तिगत रूप से संवाद करते हुए उनकी बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अन्याय, भेदभाव और सरकारी अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस पार्टी मजबूती से कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है। कार्यक्रम के दौरान इम्तियाज हुसैन लौहार ने जिले से संबंधित संगठनात्मक गतिविधियों एवं स्थानीय मुद्दों का फीडबैक भी पार्टी नेतृत्व को दिया। कार्यक्रम में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष का सूत की माला पहना कर, मेवाड़ का स्मृति चिह्न विजय स्तम्भ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस मौके पर सलूम्बर जिलाध्यक्ष माजिद बेग, राजसमंद जिलाध्यक्ष सत्तार मेव, भीलवाड़ा शहर जिलाध्यक्ष हमीद रंगरेज, ग्रामीण जिलाध्यक्ष इकबाल हुसैन, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष रफीक आदि मौजूद रहे।

पीएम श्री फतह स्कूल में 15 दिवसीय निःशुल्क हॉकी शिविर का समापन

36 खिलाड़ियों ने सीखीं बारीकियां

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

माध्यमिक शिक्षा विभाग उदयपुर की ओर से पीएम श्री फतह स्कूल में आयोजित 15 दिवसीय निःशुल्क हॉकी प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हो गया।

शिविर प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह शक्तावत ने बताया कि 6 जून से शुरू हुए इस शिविर में 18 छात्र और 18 छात्रा खिलाड़ियों सहित कुल 36 खिलाड़ियों को हॉकी खेल की नवीन तकनीकों व बारीकियों का प्रशिक्षण दिया गया।

शनिवार को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह झाला थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मोहनलाल मेघवाल ने की। वहीं विधायक प्रतिनिधि व भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश चंद्र शर्मा और उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) डॉ. लक्ष्मण दास वैष्णव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इससे पूर्व, शिविर का शुभारंभ शिविराधिपति व प्रधानाचार्य गजेंद्र आवोत के मुख्य आतिथ्य में हुआ था।

शिविर के दौरान प्रशिक्षक भूमिका वशिष्ठ, प्रेम सिंह चुंडावत, इंदर सिंह राणावत और अर्जुन सिंह झाला ने खिलाड़ियों को आधुनिक खेल तकनीकों का गहन अभ्यास कराया।समारोह के दौरान गोपाल सिंह असोलिया ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कोच घनश्याम खटीक ने किया, जबकि हॉकी कोच दिग्विजय सिंह राणावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल के जन्मदिन पर सौगातों की बौछार: त्रिवेणी संगम बनेगा 'रिवर फ्रंट', दुर्ग विकास को प्राथमिकता

सिंगोली चारभुजा नाथ का अभिषेक और देव दर्शन के साथ मनाया जन्मदिवस; क्षेत्र में पर्यटन विकास से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर, समर्थकों ने किए दान-पुण्य के कार्य

स्मार्ट हलचल

म मांडलगढ़। ांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री गोपाल लाल खंडेलवाल का जन्मदिवस क्षेत्र में भारी उत्साह, सेवा और समर्पण के भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन हुआ। जन्मदिवस की शुरुआत पूरी तरह आध्यात्मिक परिवेश में हुई, जिसके तहत सिंगोली स्थित प्रसिद्ध चारभुजा मंदिर में भगवान चारभुजा नाथ का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पंचामृत अभिषेक किया गया तथा विश्व कल्याण की भावना से महाआरती की गई।

देव दर्शन कर मांगी क्षेत्र की खुशहाली, समर्थकों ने किया दान-पुण्यः

विधायक खंडेलवाल ने अपने जन्मदिवस पर 'देव दर्शन कार्यक्रम' के तहत क्षेत्र के विभिन्न विख्यात एवं ऐतिहासिक मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने प्रत्येक देवस्थान पर शीश नवाकर पूजा-अर्चना की और राजस्थान प्रदेश सहित अपने मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, अमन-चैन और खुशहाली की मंगलकामना की। इस दौरान कतारबद्ध होकर खड़े सैकड़ों समर्थकों, प्रबुद्ध नागरिकों, भाजपा कार्यकर्ताओं और परिजनों ने विधायक को माला व साफा पहनाकर दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दीं। जन्मदिवस के उपलक्ष्य में समर्थकों द्वारा विभिन्न स्थानों पर गायों को लापसी-चारा खिलाया गया तथा जरूरतमंदों के बीच दान-पुण्य के कार्य किए गए।

क्षेत्रवासियों को जन्मदिन पर बड़ी सौगात: त्रिवेणी रिवर फ्रंट की घोषणा:

अपने जन्मदिवस को क्षेत्र की जनता को समर्पित करते हुए विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल ने मांडलगढ़ को विकास के मानचित्र पर चमकाने के लिए दो बड़ी ऐतिहासिक घोषणाएं कीं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि पवित्र त्रिवेणी संगम क्षेत्र (जहां तीन नदियों का मिलन होता है) को एक भव्य 'रिवर फ्रंट' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस स्थल को धार्मिक के साथ-साथ एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में निखारा जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऐतिहासिक मांडलगढ़ दुर्ग (किले) के जीर्णोद्धार और विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

इसी कार्यकाल में शुरू होंगे कार्य, स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार:

विधायक ने दृढ़ विश्वास जताते हुए कहा कि उनके वर्तमान कार्यकाल में ही त्रिवेणी रिवर फ्रंट और मांडलगढ़ दुर्ग विकास की इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के धरातलीय कार्यों की शुरुआत कर दी जाएगी। इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा होगा, जिससे स्थानीय स्तर पर व्यापार बढ़ेगा और क्षेत्र के हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नए व सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान समूचे कार्यक्रम में हाड़ौती और मेवाड़ अंचल से आए सैकड़ों विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

गृह मंत्री मामा नातुंग ने किसानों से कहा- प्राकृतिक खेती अपनाएं, आय बढ़ाने का यह सबसे प्रभावी माध्यम

पम्पोली में जनकल्याण शिविर में शामिल हुए गृह मंत्री, गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने के दिए निर्देश; पोल्ट्री, पिगरी और मत्स्य पालन के एकीकृत मॉडल की सराहना

स्मार्ट हलचल| पम्पोली (पूर्वी कामेंग)

राज्य के गृह मंत्री मामा नाटुंग ने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त रास्ता भी है। उन्होंने अधिकारियों से जिले के सभी सर्किलों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती की तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। गृह मंत्री पूर्वी कामेंग जिले के केवीके पम्पोली में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जनकल्याण शिविर को संबोधित कर रहे थे। देश में प्राकृतिक और जैविक खेती से जुड़ी पहलों के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, कृषि विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। गृह मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होती है, भूमि की उर्वरता बनी रहती है और किसानों को बेहतर गुणवत्ता की फसल प्राप्त होती है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने तथा पारंपरिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के समन्वय को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय

दोगुनी करने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। शिविर के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की विभिन्न तकनीकों, जैविक खाद निर्माण, प्राकृतिक कीट नियंत्रण और कम लागत वाली खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही किसानों को बताया गया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर वे उत्पादन बढ़ाने के साथ बाजार में बेहतर मूल्य भी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के बाद गृह मंत्री ने पोल्ट्री, पिगरी और मत्स्य पालन पर आधारित एकीकृत कृषि मॉडल का निरीक्षण किया। इस मॉडल में कृषि और पशुपालन को एक साथ जोड़कर आय के विभिन्न स्रोत विकसित किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में कृषि और पशुपालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं तथा सरकार इन क्षेत्रों को आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

जनकल्याण शिविर में किसानों ने प्राकृतिक खेती से जुड़े अपने अनुभव साझा किए तथा विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना और प्राकृतिक खेती के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में यह शिविर एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बीडीओ सुल्तानपुर पर ग्राम विकास अधिकारी से अभद्रता के आरोप

सोशल मीडिया पर पत्र हुआ वायरल

स्मार्ट हलचल| कोटा

पंचायत समिति सुल्तानपुर क्षेत्र में इन दिनों एक पत्र सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल हो रहे पत्र में ग्राम पंचायत भौरा के ग्राम विकास अधिकारी द्वारा खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सुल्तानपुर से स्वयं को कार्यमुक्त किए जाने का अनुरोध किया गया है।

वायरल पत्र में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत के कुछ ठेकेदारों तथा खंड विकास अधिकारी सुल्तानपुर श्री भानु मौली मौर्य द्वारा ग्राम विकास अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ऐसी परिस्थितियों में कार्य करना संभव नहीं है तथा उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन के अभाव में कार्य निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मामले की सत्यता जानने के लिए ग्राम विकास अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वहीं अन्य ग्राम विकास अधिकारियों एवं परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कथित रूप से बिना स्वीकृत कार्यों के भुगतान तथा सहायक अभियंता द्वारा बिल

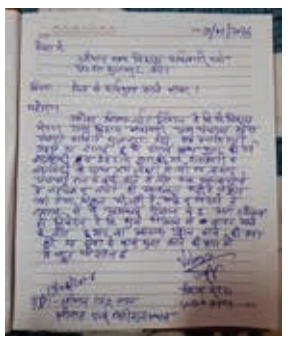

प्रमाणीकरण के बिना ठेकेदारों को भुगतान करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इसी दौरान कथित रूप से ग्राम विकास अधिकारी के साथ अभद्रता की गई, जिससे वे मानसिक तनाव में आ गए।

वायरल पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त परिस्थितियों एवं कथित दुर्व्यवहार के कारण उनके लिए वर्तमान पदस्थापन स्थल पर कार्य करना कठिन हो गया है।

दूसरी ओर ग्राम पंचायत भौरा के ग्रामीणों से बातचीत में ग्राम विकास अधिकारी की कार्यशैली की सराहना की गई। ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छता एवं ग्राम विकास कार्यों में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। पंचायत क्षेत्र के सात गांवों में से पांच गांवों में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था संचालित की जा रही है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था में सुधार हुआ है।

आई-20 कार से 43 किलो से अधिक डोडाचूरा बरामद

चित्तौड़गढ़। जिले की भदेसर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक आई- 20 कार से 43 किलो 280 ग्राम अफीम डोडाचूरा बरामद कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी मुकुल शर्मा के मार्गदर्शन व डीएसपी भदेसर विनोद कुमार के सुपरविजन मे थानाधिकारी विनोद मेनारिया द्वारा जाप्ते के साथ सोड़ावास-आवरी माता मार्ग पर नाकाबन्दी की जा रही थी। इसी दौरान झाड़ोली की तरफ से आने वाले कच्चे रास्ते से एक डार्क ब्लू कलर की आई-20 कार आती हुई नजर आई, जिसके चालक को रूकने का ईशारा किया, लेकिन उसके भागने का प्रयास करने पर कांस्टेबल सुरेंद्रपाल ने कार को स्टॉप स्टिक डाल कर पंचर कर दिया। कार के पंचर होने के बाद भी चालक तेज गति से भगाता रहा, जिसका पीछा करने पर दो व्यक्ति कार को कुछ दूरी पर खड़ी कर नीचे उतर कर भागने लगे, जिन्हे जाप्ते की सहायता से पकड़ा गया। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम अमीन खान (41) पिता रशीद खान पठान निवासी धामनिया थाना जावद एमपी एवं उसके साथ बैठ व्यक्ति ने अपना नाम अर्जुन सिंह (28) पिता दिनेश सिंह निवासी खैरखेड़ा लासूर थाना जावद एमपी होना बताया।

माहेश्वरी किंग बनी फैमिली बॉक्स क्रिकेट चैंपियन, खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

स्मार्ट हलचल | कोटा

माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में आयोजित महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

मुख्य संयोजक महेश अजमेरा ने बताया कि महोत्सव के तहत आयोजित फैमिली बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला माहेश्वरी किंग और दे दनादन टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में दे दनादन टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए माहेश्वरी किंग ने केशव माहेश्वरी की शानदार 50 रनों की पारी की बदौलत 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

खेल संयोजक घनश्याम मूंदड़ा एवं अविनाश अजमेरा ने बताया कि पिकलबॉल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दया सिंधु बागला प्रथम एवं सुंदिल लाखोटिया द्वितीय रहे। महिला वर्ग में रेखा बागला ने प्रथम तथा अनन्या कजानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मिश्रित युगल वर्ग में दया सिंधु बागला एवं रेखा बागला की जोड़ी विजेता रही, जबकि हार्दिक लाखोटिया एवं नंदिनी कोठारी की जोड़ी उपविजेता रही।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा (पश्चिमांचल) के उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला ने बताया कि महोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ 21 जून से होगा। इस अवसर पर योग शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं 21 से 23 जून तक विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताएं, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, महाशिवाभिषेक एवं पूजन, सायंकालीन भव्य शोभायात्रा, 'नवरंग' एवं 'नवसृजन' थीम पर आधारित सांस्कृतिक संध्या, सम्मान एवं पारितोषिक वितरण समारोह तथा महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य समन्वयक महेशचंद अजमेरा ने बताया कि महोत्सव की भव्य शोभायात्रा को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

मुदित जैन युवक परिषद अध्यक्ष मनोनीत

चित्तौड़गढ़। तेरापंथ युवक परिषद के चुनाव अधिकारी तुषार सुराणा एवं लोकेश सिंघवी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में अविनाश भानावत ने मुदित जैन का नाम प्रस्तावित किया, जिसे भरत सिंघवी व पूर्व अध्यक्ष सौरभ ढीलीवाल के साथ सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की। चुनाव अधिकारी तुषार सुराणा एवं लोकेश सिंघवी ने सर्वसहमति से मुदित को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवाई।

ठाकुर जी महाराज की भव्य शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब पुष्पवर्षा से गूंजा भाण्ड गवार

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

लाखेरी उपखंड क्षेत्र के भाण्ड गवार गांव में चल रहे ठाकुर जी महाराज के पंचदिवसीय मेले के अंतर्गत शनिवार को निकाली गई भव्य शोभायात्रा में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। ठाकुर जी महाराज के जयकारों से पूरा गांव गूंज उठा, वहीं हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

शोभायात्रा जैसे ही गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर ठाकुर जी महाराज का स्वागत किया। सड़कों के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें नजर आईं। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित हर वर्ग के लोगों ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ शोभायात्रा में भाग लिया।

शोभायात्रा के दौरान सजे-धजे घोड़ों पर सवार युवाओं ने आकर्षक करतब दिखाकर लोगों का मन मोह

लिया। भक्ति गीतों, ढोल-नगाड़ों और जयघोषों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु नाचते-गाते हुए ठाकुर जी महाराज की महिमा का गुणगान करते नजर आए।

आसपास के गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाण्ड गवार पहुंचे। ठाकुर जी महाराज के दर्शन और शोभायात्रा की एक झलक पाने के लिए लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं ने जलपान एवं स्वागत की व्यवस्थाएं कर अतिथियों का अभिनंदन किया।

भाण्ड गवार की धरती पर निकली यह भव्य शोभायात्रा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनी। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। देर शाम तक ठाकुर जी महाराज के जयकारों से गांव का वातावरण गुंजायमान रहा और श्रद्धालुओं के चेहरों पर भक्ति एवं उल्लास साफ झलकता रहा।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना व प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के चेक पाकर लाभार्थियों के खिले चेहरे

स्मार्ट हलचल|बूंदी

जिले के ग्राम पंचायत बरुंधन में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ वित्तीय साक्षरता की जानकारी प्रदान की गई। शिविर में नायब तहसीलदार, सरपंच प्रतिनिधि, वित्तीय साक्षरता केंद्र तालेड़ा, बैंक अधिकारी, समाज कल्याण विभाग सहित 22 विभागों के कार्मिक व अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान लाभार्थी अनीता पोटर के पति व सीमा प्रजापत के पुत्र शुभम प्रजापत की मृत्यु कुछ दिन पहले एक सड़क दुर्घटना में हों जाने से परिवार पर आर्थिक व सामाजिक संकट उत्पन्न हो चुका था लेकिन बैंक ऑफ इंडिया बरूंधन व वित्तीय साक्षरता केंद्र तालेड़ा के प्रयास से मृतक के नोमिनी पत्नी व मां को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और

प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के दो-दो लाख के चेक वरिष्ठ शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ़ इंडिया हुकुमचंद मीणा, नायब तहसीलदार हर्षित शर्मा, सीडीपीओ पारुल शर्मा, वित्तीय साक्षरता केंद्र तालेड़ा के वित्तीय परामर्शदाता विकास पांचाल, सरपंच साहिबा भारती शर्मा द्वारा वितरित किए गए।

शिविर में क्लेम के चेक मिलने पर सरपंच प्रतिनिधि पुरुषोत्तम शर्मा, बैंक बीसी पवन चित्तौड़ा, सौरभ श्रीवास्तव , हरिओम पांचाल लाभार्थी अनीता पोटर , सीमा प्रजापत ने बैंक ऑफ इंडिया शाखा बरूंधन व वित्तीय साक्षरता केंद्र तालेड़ा का आभार व्यक्त किया ।

शिविर के दौरान ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय साक्षरता की जानकारी एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

जिला कलेक्टर ने किया योगाभ्यास, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह में परिवार सहित सहभागिता की अपील

खेल संकुल में तैयारियों का लिया जायजा, योग से स्वस्थ रहने का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह से पूर्व शनिवार सुबह जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव खेल संकुल पहुंचे और नियमित योग साधकों के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्वाभ्यास में सहभागिता करते हुए योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया तथा आमजन से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

जिला कलेक्टर ने खेल संकुल में चल रही तैयारियों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खेल संकुल में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों, नियमित भ्रमणकर्ताओं एवं अन्य प्रतिभागियों

से संवाद कर उन्हें परिवार सहित 21 जून को प्रातः 6 बजे आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की। इस दौरान उन्होंने योग दिवस के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु एक प्रेरक वीडियो संदेश भी जारी किया। जिला कलेक्टर यादव ने बताया कि मुख्य समारोह के साथ-साथ जिले की सभी ग्राम पंचायतों, उपखंड मुख्यालयों तथा चयनित पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थलों पर भी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साधकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

योग दिवस सहायक नोडल अधिकारी डॉ. सुनील कुशवाह ने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य समारोह खेल संकुल में प्रातः 6 बजे 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' की थीम पर प्रारंभ होगा। कार्यक्रम की शुरुआत परिचय व उद्घोषणा व स्वागत सत्र से होगी, जिसके पश्चात प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण किया जाएगा। तत्पश्चात उन्नत कलात्मक योग प्रस्तुति होगी तथा प्रार्थना के साथ समान्य योगाभ्यास क्रम के अंतर्गत खड़े होकर, बैठकर, पेट के बल एवं पीठ के बल किए जाने वाले विभिन्न योगासनों, प्राणायाम, ध्यान का सामूहिक अभ्यास कराया जाएगा। इसके बाद संकल्प व समापन शांति पाठ के साथ होगा। योग एवं प्राकृतिक चिकित्साधिकारी डॉ. विमला परमार के निर्देशन में योग गुरु दीपक गुर्जर,भूपेन्द्र योगी, शिखर पंचोली, शक्ति तोषनीवाल, विशाल गुर्जर, प्रांशु सिंह गहलोत, चांदनी वरयानी, सरला कुशवाह, पूजा खत्री, महिमा शर्मा, रविन्द्र गुर्जर, पंकज पारीक, सुधा चौधरी एवं चारू अग्रवाल सहित योग प्रशिक्षकों एवं स्वयंसेवकों द्वारा नियमित योगाभ्यास करवाया जा रहा है।

नीट परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए कोटा, सवाई माधोपुर एवं भरतपुर स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित

24 घंटे तीन शिफ्टों में उपलब्ध रहेगी सहायता, स्काउट्स एवं गाइड्स भी कर रहे सहयोग

स्मार्ट हलचल|कोटा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले परीक्षा दिवस को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन एवं उन्हें समय पर परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कोटा, सवाई माधोपुर एवं भरतपुर रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि इन हेल्प डेस्कों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने के मार्ग, स्थानीय परिवहन सुविधाओं, स्टेशन परिसर संबंधी आवश्यक जानकारियों तथा अन्य उपयोगी सूचनाओं के संबंध में सहायता प्रदान की जा रही है। इसके लिए टिकट चेकिंग स्टाफ की

विशेष ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई गई है। साथ ही पूछताछ काउंटर एवं उद्घोषणा प्रणाली को भी सुदृढ़ किया गया है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि कोटा मंडल के क्षेत्राधिकार में स्थित परीक्षा केन्द्रों वाले शहरों में कोटा में लगभग 32,715, भरतपुर में 4,072 तथा सवाई माधोपुर में 2,222 परीक्षार्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने की संभावना है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आगमन को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। जिला मुख्य आयुक्त एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक-द्वय के मार्गदर्शन तथा जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के निर्देशन में कोटा रेलवे स्टेशन पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्वयंसेवकों को भी तीन शिफ्टों में तैनात किया गया है। स्काउट्स एवं गाइड्स यात्रियों एवं परीक्षार्थियों को प्लेटफॉर्म, ट्रेनों एवं स्टेशन परिसर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं महिला यात्रियों की सहायता भी कर रहे हैं।

परीक्षा दिवस पर रेलवे सुरक्षा बल, वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। स्टेशन परिसरों एवं प्लेटफॉर्मों पर भीड़ प्रबंधन, कतार व्यवस्था, मार्गदर्शन तथा यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। रेल प्रशासन ने परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे पर्याप्त समय लेकर स्टेशन पहुंचें तथा आवश्यकता पड़ने पर रेलवे द्वारा स्थापित हेल्प डेस्क अथवा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से संपर्क कर सहायता प्राप्त करें।

दीगोद जागीर मे पागल कुत्ते ने तीन वर्षीय बच्चे को काटा, क्षेत्र मे एक सप्ताह मे छठी घटना

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कुत्तों के काटने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं, जिससे आमजन में भय और आक्रोश का माहौल है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि अब चिकित्सा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है। शनिवार सुबह दीगोद जागीर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 3 वर्षीय मासूम कुनाल पुत्र ईश्वर प्रजापति को कुत्ते ने पैर में काट लिया। हमले में बच्चे के पैर पर दांतों के गहरे निशान बन गए, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन बच्चे को तुरंत हरनावदाशाहजी के छीपाबड़ौद मार्ग स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। इंजेक्शन लेकर आ रही गाड़ी के इंतजार के बाद ही एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध हो पाया, जिसके बाद उपचार कर बच्चे को घर भेजा गया।

पहले भी सामने आ चुकी हैं गंभीर घटनाएं

गौरतलब है कि इससे एक सप्ताह पहले भी हरनावदाशाहजी कस्बे

में एक पागल कुत्ते ने दो दिनों के भीतर दो बच्चों समेत पांच लोगों को काट लिया था। उस समय भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने के कारण घायलों को मजबूरी में झालावाड़ जिले के अकलेरा और जावर जाकर इंजेक्शन लगवाने पड़े थे।इसी तरह, शुक्रवार को कस्बे के चन्द मोहन रेगर को भी इंजेक्शन नहीं मिलने पर अकलेरा जाना पड़ा, जिससे स्थानीय चिकित्सा व्यवस्था की बड़ी पोल खुल गई।

प्रशासन हरकत में, औचक निरीक्षण के बाद पहुंची सप्लाई

लगातार बढ़ती शिकायतों और गंभीर हालात को देखते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने शुक्रवार को हरनावदाशाहजी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता और सप्लाई को लेकर अधिकारियों से जवाब-तलब किया और आवश्यक दवाइयों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि एडीएम के निरीक्षण के बाद शनिवार को लंबे समय बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित हो पाई है।

ग्रामीणों में आक्रोश, स्थायी समाधान की मांग

लगातार हो रही घटनाओं और लचर व्यवस्था से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोगों ने ग्राम पंचायत से आवारा कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी कराने और स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता। अब बड़ा सवाल यह है कि यह व्यवस्था कितने दिनों तक कायम रह पाएगी?

मोटर चालू करतें समय करंट की चपेट में आया किसान, दर्दनाक मौत

स्मार्ट हलचल|बानसूर

क्षेत्र के ज्ञानपुरा गांव में शनिवार सुबह करंट लगने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। किसान अपने खेत में ट्यूबवेल की मोटर चालू करने गया था, तभी स्टार्टर में अचानक करंट प्रवाहित होने से हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञानपुरा निवासी गजेंद्र सिंह सुबह करीब 7 बजे अपने खेत में चारा काटने के लिए गए थे।

इस दौरान उन्होंने ट्यूबवेल की मोटर चालू करने का प्रयास किया, तभी स्टार्टर से करंट लगने से वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़े। करीब एक घंटे बाद पास के खेत में काम कर रहे एक किसान ने उन्हें देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन व ग्रामीण उन्हें तत्काल नारायणपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत मौके पर पहुंचे और परिजनों से मिलकर सांत्वना दी तथा अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर हैं।

ईरान-अमेरिका डील पर संकट: ईरान-अमेरिका पीस डील के बावजूद इजराइल का लेबनान पर हमला...18 की मौत

-इजराइली मंत्री बोले- पूरे लेबनान को जला देना चाहिए, इजरायल के हमले से स्विट्जरलैंड वार्ता टली, जेडी वेंस का दौरा रद्द

डील गई तेल लेने... शुरू हो गया जंग!

-इजराइल के बाद ईरान डील पर फांस ने फंसाया पेच, समझौते के लिए रखीं दो बड़ी शर्तें

वॉशिंगटन /तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच पीस डील पर दस्तखत के एक दिन बाद शुक्रवार को इजराइल ने लेबनान पर हमला किया जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पीस डील की शर्तों के मुताबिक इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने इससे इनकार कर दिया था। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात से अब तक दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 80 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें हिजबुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं। दूसरी ओर हिजबुल्लाह के हमले में दक्षिणी लेबनान में 4 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई है। इससे नाराज होकर इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा लेबनान जलना चाहिए। उधर, अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में बातचीत होनी थी जो रद्द हो गई है। इसकी वजह इजराइल के लेबनान पर लगातार हमला हो सकता है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका पहले लेबनान पर हमले रुकने की गारंटी दे, तभी आगे की बातचीत होगी। वहीं ईरान डील पर अब फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक प्रॉक्सी और मिसाइल निर्माण के मुद्दों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक हम इसका विरोध करेंगे। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान को राहत राहत देने के लिए यूएन से अगर प्रतिबंध हटाने को लेकर कोई प्रस्ताव लाया जाता है, तो हम इसका विरोध करेंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाली महत्वपूर्ण समझौता प्रक्रिया अंतिम समय में संकट में फंस गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन दक्षिणी लेबनान पर इजरायल के ताजा हमले के बाद पूरा कार्यक्रम स्थगित हो गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई, जबकि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लेबनान, हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद जताई थी। इसके बावजूद इजरायल ने गुरुवार-शुक्रवार की रात दक्षिणी लेबनान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर दिया। ईरान और अमेरिका के बीच अस्थाई समझौते पर इजराइल के बाद फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट का कहना है कि डील तभी मान्य होगा, जब फ्रांस इससे संतुष्ट होगा। बैरोट ने कहा कि हमारे बिना यूएन में पत्ता नहीं हिल सकता है। इस डील में फ्रांस को भी शामिल करने की जरूरत है। डील के जरिए हमारे मुद्दों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। बैरोट का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान डील पर इजराइल ने रोड़ा अटका रखा है। लेबनान पर इजराइली हमले के कारण ही स्विटजरलैंड में शांति वार्ता को लेकर होनी वाली अमेरिका और ईरान की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह का पलटवार, सीमा पर बढ़ा तनाव

इजरायली कार्रवाई के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमला किया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने गाइडेड मिसाइलों से इजरायल के तीन आधुनिक मर्कवा टैंकों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। हिजबुल्लाह के अनुसार, संघर्ष तब शुरू हुआ जब इजरायली सेना नबातीह क्षेत्र के रणनीतिक अली अल-ताहेर पहाड़ी इलाके की ओर बढ़ने लगी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लेबनान में युद्धविराम लागू होने तक अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता स्थगित कर दी गई है। इसके चलते जेडी वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा भी रद्द करना पड़ा।

इजरायल पर अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी

घटनाक्रम से अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी खुलकर सामने आई है। जेडी वेंस ने इजरायली नेतृत्व को चेतावनी देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के सबसे बड़े और प्रभावशाली समर्थक हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इजरायल की सुरक्षा में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश रक्षा संसाधन अमेरिकी करदाताओं के धन से उपलब्ध कराए जाते हैं। वेंस के इस बयान को वॉशिंगटन और तेल अवीव के बीच बढ़ते तनाव का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

115 करोड़ बैरल तेल गायब

ईरान-अमेरिका समझौते के बाद इस हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल गया है। हालांकि दुनिया अभी भी तेल संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है। एनालिटिक्स फर्म केपलर की रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के करीब चार महीनों में वैश्विक बाजार से 115 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई गायब हो चुकी है। इसका असर आने वाले महीनों तक बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई लगभग बंद रही। इस वजह से दुनिया के स्ट्रेटजिक और कॉमर्शियल ऑयल रिजर्व तेजी से घटे हैं। पिछले कुछ महीनों में 19 करोड़ बैरल तेल स्टॉक से निकल चुका है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के स्ट्रेटजिक रिजर्व 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि अमेरिका का इमरजेंसी रिजर्व 43 साल के निचले स्तर पर है।

सच हो गया नेतन्याहू का बुरा सपना, अमेरिका-ईरान की डील से कैसे चौतरफा घिर गए इजरायली प्रधानमंत्री

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बीते 4 महीनों से जारी जंग खत्म हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को समझौते पर दस्तखत कर दिए हैं। 100 दिनों से भी अधिक समय से भीषण तबाही झेलने के बाद पूरी दुनिया इस युद्ध के खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। ऐसे में यह समझौता बेहद जरूरी था। हालांकि एक शख्स है जिसके लिए यह समझौता किसी बुरे सपने से कम नहीं। ये शख्स हैं इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

नेतन्याहू इस डील से खुश नहीं, ये बात जगजाहिर है। लेकिन आखिर क्यों? इजरायली प्रधानमंत्री अगर चाहें भी तो भी वे इस समझौता का समर्थन नहीं कर सकते। इसके पीछे कई वजहें हैं। नेतन्याहू इस समय ऐसी स्थिति में फंस गए हैं जहां से उनका लौटना मुश्किल मालूम पड़ता है। हालात यह हैं कि देश में विपक्षी पार्टियां तो उन पर हमलावर हैं ही, उनके अपने भी उनसे खुश नहीं हैं। आइए समझते हैं कैसे नेतन्याहू के लिए मामला फंसता चला जा रहा है।

चुनाव से पहले बड़ा झटका : दरअसल इस साल अक्टूबर के अंत से पहले इजरायल में आम चुनाव होने हैं। चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेतन्याहू पर घरेलू स्तर पर राजनीतिक दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इजरायल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने हाल ही में संसद में इजरायली क्रूर की तीखी आलोचना की। लैपिड ने कहा कि नेतन्याहू दो बेहद मुश्किल रास्तों के बीच फंस गए हैं। उन्होंने कहा, 'या तो वो हमारे सबसे बड़े सहयोगी (अमेरिका) के साथ सीधा टकराव मोल लें। या फिर इजरायली हितों का पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दें।'

ट्रंप के समझौते को ना मानने की मांग : नेतन्याहू को सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि अपनी सरकार के भीतर शामिल कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों से भी आलोचना झेलनी पड़ रही है। ये सहयोगी दल किसी भी ऐसे समझौते का विरोध कर रहे हैं जो इजरायल की सैन्य आजादी को सीमित करता हो। बता दें कि अमेरिका ईरान डील के तहत ईरान ने शर्त रखी है कि लेबनान सहित दूसरे सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान बंद होने चाहिए। अमेरिका ने इस शर्त को मंजूरी भी दे दी है। इससे इजरायली कट्टरपंथी नेता भड़क उठे हैं और आजादी पर हमला बता रहे हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोशल मीडिया पर इस डील का खुलकर विरोध किया। उन्होंने लिखा, 'ट्रंप का समझौता हमारे लिए बाध्यकारी नहीं है। हम इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करता है।' इस बीच नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार का मुकदमा भी चल रहा है जिसने उनकी राजनीतिक स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है।

ट्रंप नहीं दे रहे भाव : इजरायली प्रधानमंत्री को सबसे तगड़ा झटका ट्रंप से मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान युद्ध को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से मतभेद चल रहे थे। नेतन्याहू इस जंग को जारी रखकर देश में 'टोटल विक्ट्री' वाला नॉरेटिव चला सकते थे, जिससे उन्हें चुनाव में भी मदद मिलती। हालांकि ट्रंप ने समझौता कर उनके इस प्लान पर पानी फेर दिया है।

दूसरी तरफ ट्रंप बीते कुछ दिनों में नेतन्याहू को कई बार खुलेआम भला-बुरा कह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक फोन कॉल के दौरान नेतन्याहू को 'पागल' तक कह दिया। इसके अलावा उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग भी किया। जाहिर है इससे नेतन्याहू की देश में छवि कमजोर हो रही है। नेतन्याहू को डर था कि ट्रंप उनकी मांगों को नजरअंदाज कर ईरान संग समझौता न कर लें, लेकिन हुआ ठीक ऐसा ही।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला- मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता-पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जपाटेरो की अदालत में पेशी

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगेज जपाटेरो बुधवार को एक न्यायाधीश के सामने पेश हुए। यह मामला सरकारी एयरलाइन बेलआउट और उनके कार्यालय से बरामद गहनों से जुड़ा है। पिछले महीने उन पर प्रभाव का दुरुपयोग, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह उनकी राष्ट्रीय अदालत में पहली पेशी है। मामला स्पेन सरकार द्वारा प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को दिए गए बचाव पैकेज से संबंधित है। जपाटेरो, 65 वर्ष, 2004 से 2011 तक प्रधानमंत्री रहे थे। 2021 में प्लस अल्ट्रा को कोविड-19 रिकवरी फंड से 53 करोड़ यूरो (61.5 मिलियन डॉलर) मिले थे। न्यायाधीश जोस लुइस कलामा कर धोखाधड़ी और मई में जपाटेरो के कार्यालय से बरामद 1.3 करोड़ यूरो के गहनों की जांच भी कर रहे हैं। जपाटेरो ने एयरलाइन मामले में किसी भी गलत काम से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि गहने विरासत में मिले थे या उपहार के रूप में प्राप्त हुए थे।

बम धमाके में गंवाए दोनों पैर, फिर भी नहीं टूटा हौसला: हरी बुद्धा ने सेवन समिट्स फतह कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

काठमांडू, एजेंसी। कई लोगों के लिए दोनों पैर खो देना जिंदगी की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन नेपाल के हरी बुद्धा मगर ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। अफगानिस्तान में हुए एक बम विस्फोट में दोनों पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन पर्वत चोटियों को फतह कर इतिहास रच दिया।

आज हरी बुद्धा मगर दुनिया के पहले ऐसे डबल एम्प्यूटी (घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके) पर्वतारोही हैं जिन्होंने सेवन समिट्स यानी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

अफगानिस्तान में बम धमाके ने बदल दी जिंदगी : नेपाल के एक साधारण परिवार में जन्मे हरी बुद्धा मगर बचपन से ही पहाड़ों के बीच पले-बढ़े। बाद में उन्होंने ब्रिटिश सेना की प्रतिष्ठित गोरखा रेजिमेंट में जगह बनाई। साल 2010 में अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान उनका पैर सड़क किनारे लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस पर पड़ गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उनके दोनों पैर घुटनों

के ऊपर से काटने पड़े। यह हादसा उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय नए सिरे से जीवन शुरू करने का फैसला किया।

व्हीलचेयर से शुरू हुआ संघर्ष : हादसे के बाद शुरुआती दिनों में उनका लक्ष्य केवल इतना था कि वह खुद को जमीन से उठाकर व्हीलचेयर तक पहुंचा सकें। धीरे-धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाया। बचपन से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का सपना देखने वाले हरी ने कृत्रिम पैरों की मदद से पर्वतारोहण का प्रशिक्षण शुरू किया और असंभव दिखने वाले लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए।

माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा इतिहास : मई 2023 में हरी बुद्धा मगर ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर इतिहास रच दिया। वह घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके पहले व्यक्ति बने जिन्होंने एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का कारनामा किया। इस उपलब्धि ने उन्हें दुनिया भर में प्रेरणा का प्रतीक बना दिया। एवरेस्ट के बाद हरी ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पर्वतारोहण अभियानों में शामिल सेवन समिट्स मिशन को पूरा करने का लक्ष्य तय किया। जनवरी 2026 में अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर सफल चढ़ाई के साथ उन्होंने सेवन समिट्स मिशन पूरा कर लिया और नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम : हरी बुद्धा मगर के नाम अब पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। इनमें डबल एम्प्यूटी पर्वतारोही के रूप में एवरेस्ट, डेनाली और अन्य कठिन चोटियों पर चढ़ाई के रिकॉर्ड शामिल हैं। उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उन्हें प्रतिष्ठित 'आइकन' सम्मान से भी सम्मानित किया है।

'दिव्यांगता पहचान नहीं, हौसला पहचान है' : हरी का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि लोगों को प्रेरित करना है। उनके मुताबिक दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को परिभाषित नहीं करती। उन्होंने कहा कि लोगों ने कई बार उन्हें बताया कि वह यह नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से पार किया।

अब अंतरिक्ष और ध्रुवीय अभियानों पर नजर : सेवन समिट्स मिशन पूरा करने के बाद भी हरी रुकना नहीं चाहते। उनका सपना अब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने, समुद्र की गहराइयों की खोज करने और भविष्य में संभव हो तो अंतरिक्ष यात्रा करने का है। हरी बुद्धा मगर की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि इंसान की सबसे बड़ी ताकत उसका शरीर नहीं, बल्कि उसका आत्मविश्वास, साहस और कभी हार न मानने वाला जज्बा होता है।

ट्रंप ने जिनपिंग-पुतिन की तटस्थता पर आभार जताया; कहा- मिनाब में स्कूल पर हमला जानबूझकर नहीं हुआ

पेरिस , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की है। उन्होंने ईरान युद्ध के दौरान इन दोनों नेताओं के तटस्थ रहने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के अमेरिकी प्रयासों में कोई बाधा नहीं डाली। इससे स्थिति को संभालने में अमेरिका को काफी मदद मिली।

जिनपिंग और पुतिन का जताया आभार : ट्रंप ने खास तौर पर शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि वे बीजिंग दौरे के समय उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग पूरी तरह तटस्थ रहे, जिसकी वे सराहना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने व्लादिमीर पुतिन का भी आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि ये दोनों नेता चाहते तो अमेरिका की राह को अधिक कठिन बना सकते थे। ट्रंप के अनुसार, शी जिनपिंग ने इस संघर्ष को सुलझाने में सहयोग किया। चीन ने ईरान को बड़े हथियार या कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइलें नहीं भेजीं। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता तो अपने तेल के जहाजों की सुरक्षा के लिए कई युद्धपोत वहां भेज सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

मिनाब स्कूल हमले पर क्या बोले ट्रंप : इसके साथ ही, ट्रंप ने संघर्ष के दौरान ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था। ट्रंप के अनुसार, युद्ध के दौरान ऐसी गलतियां हो सकती हैं। यह घटना 28 फरवरी को संघर्ष के पहले दिन हुई थी। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 175 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। शुरुआत में ट्रंप ने बिना किसी सबूत के दावा किया था कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की जांच अभी चल रही है और वे जांच के निष्कर्षों को स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि किसी ने भी स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पहले बताया था कि अमेरिकी सेना की शुरुआती आंतरिक जांच में इस घातक हमले के पीछे अमेरिकी बलों के होने के संकेत मिले थे। हालांकि, पेंटागन ने अभी किसी नतीजे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ने बताया कि यह जांच काफी जटिल रही है क्योंकि वह स्कूल एक सक्रिय ईरानी क्रूज मिसाइल बेस के भीतर स्थित था। अब यह जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में गुरुद्वारे के भीतर गोलीबारी, सिख सेवादार दंपति की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्दन शहर में बुधवार को एक गुरुद्वारे के अंदर सिख सेवादार दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में मर्दन के बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने गुरुद्वारे के अंदर गोलीबारी की, जिसमें सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वांती की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले के मकसद का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्य सुरेश कुमार ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है और पुलिस को जांच में प्रगति दिखाने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी है। कुमार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना हुई। उन्होंने मामले के सभी पहलुओं की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की। कुमार ने अपराध स्थल से एकत्र किए गए सीसीटीवी साक्ष्य के प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर को 'अत्यंत लापरवाही से' हटाया गया था, जिससे साक्ष्य के संरक्षण और जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी, मर्दन क्षेत्र के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी और खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक से घटना की गहन जांच सुनिश्चित करने और किसी भी लापरवाह अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। विधायक ने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के भीतर संदिग्धों को गिरफ्तार नहीं किया गया या जांच में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई, तो मर्दन, पेशावर और इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इस बीच, पुलिस ने बताया कि विशेष जांच दल गठित किए गए हैं और कई कोणों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आधुनिक फोरेंसिक और तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

'ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें, यह हमारा अंदरूनी मामला है', लूला की ट्रंप को दो टूक

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी। उन्होंने कि ट्रंप ब्राजील के अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें। उन्होंने यह चेतावनी तब दी, जब ट्रंप ने उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की फिर से आलोचना की।

यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है और दो ड्रग-तस्करी वाले संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है, जिसका लूला विरोध करते हैं।

लूला ने कई बार ब्राजील की संप्रभुता का बचाव किया है, खासकर तबसे जब ट्रंप ने पिछले साल ब्राजील पर टैरिफ लगाए थे और अपने सहयोगी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' का आरोप लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट जज के खिलाफ प्रतिबंध पर जताई आपत्ति : लूला ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों पर भी आपत्ति जताई। ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि मोरेस ने राजनीति से प्रेरित होकर बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्हें 2022 के चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने

की कोशिश के लिए दोषी ठहराया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या बयान दिया : ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ब्राजील 'राजनीतिक रूप से खतरनाक' बन गया है। सरकार 'बोल्सोनारो जूनियर' (जेर बोल्सोनारो के बड़े बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो) को गिरफ्तार करना चाहती है, जो चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बोल्सोनारो के बेटे और पूर्व सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो को उनके पिता के तख्तापलट मामले में धमकी देने का दोषी पाया और उन्हें 4 साल दो महीने की जेल की सजा सुनाई।

हालांकि, ट्रंप का बयान 'जनमत सर्वेक्षणों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं' इस ओर संकेत दे रहा है कि वह शायद बोल्सोनारो के बड़े बेटे सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो की बात कर रहे थे, जो लूला के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। फ्लावियो बोल्सोनारो को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। एडुआर्डो बोल्सोनारो को कोर्ट ने दोषी इसलिए ठहराया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता के तख्तापलट मामले में अवैध रूप से हस्तक्षेप किया और अमेरिकी सरकार से ब्राजील के अधिकारियों पर दबाव बनाने की पैरवी की।

लूला ने पलटवार किया : जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने ट्रंप के बयान पर लूला से सवाल किया। इस पर ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि इससे पता चलता है कि ट्रंप ब्राजील को ठीक से नहीं जानते।

लूला ने कहा, अगर वह ब्राजील को बोल्सोनारो परिवार से जुड़े रिश्तों के आधार पर जानते हैं, तो वह ब्राजील को नहीं जानते। वह बोल्सोनारो को पसंद करते रहें (पिता, बेटा या पोता) यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। लेकिन ब्राजील के चुनाव में दखल मत दीजिए, क्योंकि ब्राजील का चुनाव ब्राजील का मामला है।

ड्रग-तस्करी संगठनों को घोषित किया आतंकी संगठन : एडुआर्डो और फ्लावियो बोल्सोनारो हाल ही में वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने ट्रंप से भी मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के दो बड़े ड्रग-तस्करी संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया।

लूला ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि ये समूह स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन वे आतंकवादी संगठन नहीं हैं, क्योंकि उनका उद्देश्य राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि मुनाफा कमाना है।

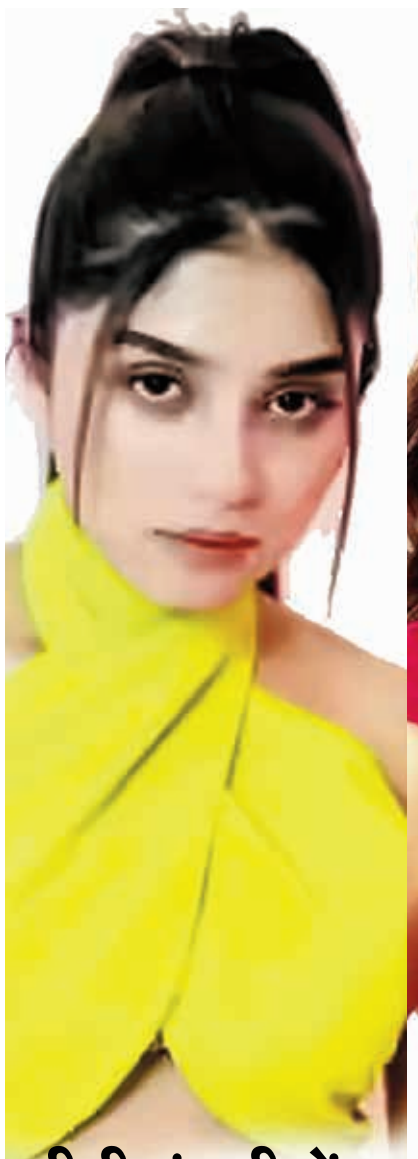

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में ह्लस्नष्टह्न मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''

नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्रद्ब पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com